UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

दैनिक
# यंग भारत
निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर
Digital Edition

यंग भारत
तेज न्यूज
सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-255 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) शुक्रवार 28 अगस्त 2026 youngbharatE-paper.com

## हथकरघा बुनकर समृद्धि योजनाः यूपी के बुनकरों की बदलेगी किस्मत, मिलेंगे ये पांच फायदे; योगी सरकार की तैयारी

( यंग भारत न्यूज )

**लखनऊ।** प्रदेश में जब भी कला और संस्कृति की बात होती है तो बुनकरों की उंगलियों के जादू की चर्चा तो जरूर होती है। बनारस की रेशमी साड़ियों से लेकर भदोही के कालीनों तक...यूपी के बुनकर सदियों से प्रदेश की संस्कृति के ताने-बाने को बुनते आ रहे हैं। लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि अपनी मेहनत और कला से दूसरों की ज़िंदगी को खूबसूरत बनाने वाला यह तबका लंबे समय से तंगी, महंगे धागों, बिजली बिलों और बिचौलियों की मार झेल रहा था। कई बुनकर तो रोजी-रोटी के चक्कर में अपना पुश्तैनी काम छोड़कर मजदूरी करने तक को मजबूर हो गए थे। इन बुनकरों के लिए योगी सरकार की 'मुख्यमंत्री हथकरघा बुनकर समृद्धि योजना' संजीवनी बूटी की तरह है। इस योजना का उद्देश्य यूपी के कपड़े को पूरी दुनिया के बाजारों तक पहुंचाना है। आइए, आसान भाषा में समझते हैं कि यह योजना कैसे यूपी के बुनकरों की किस्मत बदलने जा रही है और इसमें उनके लिए क्या-क्या खास छिपा है। हाथ से चलने वाले पारंपरिक करघों पर काम करने में समय और ताकत बहुत लगती थी, लेकिन मुनाफा बिचौलिए खा जाते थे। दूसरी ओर बिजली का बढ़ता खर्चा और कच्चे माल (धागे) के बढ़ते दाम ने भी बुनकरों की कमर तोड़ रखी थी। यूपी सरकार के इस योजना से बुनकरों को राहत मिली है। इसके तहत बुनकरों को आधुनिक तकनीक (जैसे सोलर पावर से चलने वाले करघे), आसानी से लोन, सब्सिडी और direct market का एक्सेस दिया जा रहा है, ताकि उन्हें किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े। मुख्यमंत्री हथकरघा बुनकर समृद्धि योजना के तहत सरकार ने पांच वर्षों में 150 हैंडलूम क्लस्टर विकसित करने का लक्ष्य रखा है। इस योजना से 50 हजार से ज्यादा बुनकरों का लाभ होगा। योजना के अनुसार न्यूनतम 25 या उससे अधिक बुनकरों के समूह को फर्म के रूप में पंजीकृत कराया जाएगा।सरकार न सिर्फ उन्हें ऑनलाइन पोर्टल पर रजिस्टर करा रही है, बल्कि पैकेजिंग और शिपिंग की कला भी सिखा रही है। इसके लिए गांव लेवल पर ट्रेनिंग दी जाएगी। इससे देश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी 'मेड इन यूपी' के कपड़ों की मांग तेजी से बढ़ी है। योजना का लाभ लेने के लिए जरूरी है कि आप उत्तर प्रदेश के निवासी हों। इसके साथ ही आपके पास आधार कार्ड, बुनकर पहचान पत्र, बैंक पासबुक की कॉपी, पासपोर्ट साइज फोटो और आय प्रमाण पत्र होना जरूरी है।

## यूपीः कानून-व्यवस्था जीरो. अंकित बालियान की हत्या पर अखिलेश का हमला, संजीव बालियान बोले-भरे शहर में मार डाला, नहीं पहुंची पुलिस

( यंग भारत न्यूज )

हरियाणवी गायक अंकित बालियान की उत्तर प्रदेश के शामली जिले में हत्या कर दी गई. उनपर अज्ञात हमलावरों ने जिम के बाहर ताबड़तोड़ गोलियों से भून डाला. इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है.

उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा, 'शामली में लोकप्रिय गायक अंकित बालियान की कई राउंड गोलियां चलाकर हत्या किए जाने से इलाके में भय का माहौल है. प्रदेश की कानून-व्यवस्था की स्थिति जीरो पर पहुंच गई है. अखिलेश ने इस बालियान की हत्या की कड़ी निंदा की. उन्होंने कहा कि इस हत्या की जांच राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के पहलू से भी की जानी चाहिए. सपा प्रमुख ने कहा, 'बालियान की मां द्वारा सड़क पर बेटे के शव को गोद में लेकर शोक मनाने की घटना बेहद हृदयविदारक है. हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जाट समाज में आक्रोश है और पूरा जाट समुदाय इस घटना को अपने ऊपर हुए हमले के तौर पर देख रहा है.' पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री संजीव बालियान हरियाणवी गायक अंकित बालियान की हत्या के बाद उनके घर पहुंचे. उन्होंने कहा, 'एक ऐसा कलाकार जिसकी लोकप्रियता हरियाणा और उत्तर प्रदेश दोनों जगह थी. जो सभी का प्यारा था, उसकी हत्या शाम के समय भरे शहर के बीच कर दी गई. इससे बड़े दुख की बात क्या हो सकती है. मौके पर पुलिस नहीं पहुंची, कोई नहीं पहुंचा. बहुत दुख की बात है.'

अंकित बालियान के यूट्यूब चैनल पर 3.66 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं. वो अपने वीडियो में विभिन्न कलाकारों और सहयोगियों के साथ नजर आते थे. उनके कई वीडियो में बंदूक, अन्य हथियारों और एसयूवी को भी दिखाया गया था. फिलहाल पुलिस हमलावरों की पहचान और हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है. पुलिस के मुताबिक, हमलावर दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए थे और उन्होंने बालियान पर कई राउंड फायरिंग की. घटना में उनकी मौके पर ही मौत हो गई. पुलिस को सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई पुलिस टीमें गठित की गई हैं.

## जिला प्रशासन शेम-शेम, योगी सरकार के कड़े आदेशों के बावजूद गौशाला में मरणासन्न गाय को नोंच-नोंच कर खा रहे हैं कुत्ते ?

# सनसनीखेज : जुगराजपुर की गौशाला में गायों की नरक जैसे स्थिति

- जुगराजपुर की वृहद गौसंरक्षण केंद्र में भूख से तड़प तड़प कर गौवंशों की लगातार हो रही है मृत्यु,
- मौके पर देखा गया तो जिंदा व असहाय गौमाता को जंगली जानवर व कुत्ते नोच नोच कर खा रहे

( यंग भारत न्यूज )

**कुठौंद जालौन।** विकासखंड कुठौंद क्षेत्र अंतर्गत आज जुगराजपुर वृहद गौसंरक्षण केंद्र जुगराजपुर में गौवंशों की दर्दनाक मौत का मंजर सामने आया है जिसमें जंगली जानवरों व कुत्तों के द्वारा गौवंशों जिंदा नोच नोच-खसोट कर फाड़ दिया गया मालिक उपेंद्र यादव व अधिकारियों से शिकायत की गई

पर सुधार नहीं हुआ पिछले पांच वर्षों से गौशाला के लिए संघर्ष करने वाले समाजसेवी वी पी सिंह सेंगर व पूरे गांव ने आज मौके पर पहुंचकर जिले के अधिकारियों को अवगत कराया ग्रामीणों की शिकायत पर मौके पर पहुंची पशु चिकित्सा अधिकारी ने स्वयं देखा तो गोवंशों को खाने के लिए ना तो भूसा की व्यवस्था है और ना ही साफ सफाई हुई है गंदगी का अंबार लगा हुआ है और ना ही पीने के पानी की व्यवस्था है ग्रामीणों ने बताया कि गोसंरक्षण केंद्र पर कोई कर्मचारी नहीं रहता है चार-पांच दिन से गोवंश भूख और प्यास से तड़प रहे हैं और जो घायल एवं असहाय अवस्था में पड़े हैं उनको जिंदा में ही जंगली जानवर व कुत्ते नोच नोच कर खा रहे हैं मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने गोसंरक्षण केंद्र संचालक उपेंद्र यादव को हटाने की बात कही है गांव वालों की मांग है कि दोषियों पर मुकदमा दर्ज होना चाहिए मानक के अनुसार गौसंरक्षण केंद्र का संचालन होना चाहिए। जबकि सरकार गोवंशों की रखरखाव के लिए हर संभव प्रयास कर रही है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी सरकार के आदेशों की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

# बुंदेलखंड की सावनी परंपराः दहेज प्रथा पर करारी चोट, रिश्तों में घोलती है मिठास

**(प्रधान सम्पादक)**

**(यंग भारत न्यूज)**

**जालौन 25 अगस्त।** उत्तर प्रदेश के जनपद जालौन मे रक्षाबंधन का पर्व देशभर में अलग-अलग परंपराओं और रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है, लेकिन बुंदेलखंड की 'सावनी' परंपरा अपनी अनूठी सामाजिक सोच के कारण आज भी विशेष पहचान रखती है। करीब 800 वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में शादी के बाद पहले सावन और रक्षाबंधन के अवसर पर वर पक्ष की ओर से वधू पक्ष के घर उपहार भेजे जाते हैं। खास बात यह है कि यह परंपरा दहेज प्रथा की उस सोच पर भी चोट करती है, जिसमें हमेशा वधू पक्ष से ही देने की अपेक्षा की जाती है।

जालौन की सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती संध्या पुरवार बताती हैं कि बुंदेलखंड में सावनी केवल उपहार भेजने की रस्म नहीं, बल्कि दोनों परिवारों के बीच प्रेम, सम्मान और आत्मीयता बढ़ाने का माध्यम है। बदलते दौर में कई पुरानी परंपराएं धीरे-धीरे खत्म हो गईं, लेकिन गांवों और कस्बों में सावनी की परंपरा आज भी काफी हद तक जीवित है।

### 800 वर्षों से चली आ रही परंपरा

श्रीमती उषा सिंह निरंजन के अनुसार बुंदेलखंड में सावन के महीने में निभाई जाने वाली इस परंपरा का इतिहास करीब आठ शताब्दियों पुराना माना जाता है। मान्यता है कि महोबा के राजा परमाल के समय से सावनी की शुरुआत हुई। राजा परमाल ने अपने पुत्र की ससुराल में सावन के महीने में खिलौने, कपड़े, राखियां, मिठाई और अन्य उपहार भेजे थे। तभी से बुंदेलखंड में वर पक्ष की ओर से वधू पक्ष को सावनी भेजने की परंपरा शुरू होने की बात कही जाती है।

### सोने-चांदी की राखी से लेकर खिलौनों तक

सावन शुरू होते ही विवाहिता बेटी को उसके मायके भेज दिया जाता है। रक्षाबंधन नजदीक आने पर ससुराल पक्ष की ओर से सावनी भेजी जाती है। इसमें सोने-चांदी की राखियां, बच्चों के कपड़े, मिठाई और पारंपरिक खिलौने शामिल होते हैं। शक्कर से बनी खड़पुरी विशेष आकर्षण होती है।

परंपरागत खिलौनों में बांसुरी या अलगोजा, पुतरा-पुतरिया, चकरी, भौंरा और पपीरी जैसी वस्तुएं शामिल होती हैं। इसके अलावा श्रृंगार सामग्री और लकड़ी से बने सौंटा, जिन्हें रंगऊआ भी कहा जाता है, सावनी का हिस्सा रहे हैं।

सावनी में आई सामग्री को घर के आंगन में तख्त या बड़ी चारपाई पर सजाकर रखा जाता है। इसे देखने के लिए रिश्तेदारों, पड़ोसियों और गांव के लोगों को बुलाया जाता है। लोग सावनी में आए सामान को देखकर ससुराल पक्ष की स्थिति और सामर्थ्य का अंदाजा भी लगाते हैं। इसके बाद उसी अनुरूप वधू पक्ष की ओर से वर पक्ष की विदाई की तैयारी की जाती है।

### सावनी में छिपी है हंसी-ठिठोली

बुंदेलखंड की रस्मों में गंभीरता के साथ हास-परिहास की भी खास जगह है। सावनी में भेजा जाने वाला 'चिक्क बाबा' इसी परंपरा का दिलचस्प हिस्सा है। इसे कई स्थानों पर 'डब्बा का बब्बा' भी कहा जाता है। लकड़ी के चौकोर डिब्बे में स्प्रिंग की मदद से तैयार यह खिलौना खोलते ही आवाज के साथ तेजी से ऊपर आता है। चिक्क बाबा को समधी का प्रतीक माना जाता है और इसे खास तौर पर समधन के लिए भेजा जाता है। इसका उद्देश्य दोनों परिवारों के बीच हंसी-ठिठोली और अपनापन बढ़ाना होता है।

जालौन मानवाधिकार संगठन की अध्यक्षा श्रीमती चंचल मिश्रा बताती हैं कि ऐसी परंपराएं रिश्तों में औपचारिकता कम करके पारिवारिक आत्मीयता बढ़ाने का काम करती हैं।

### दहेज की एकतरफा सोच को बदलती है सावनी

बुंदेलखंड में शादी के बाद वधू पक्ष की ओर से वर पक्ष को समय-समय पर नकदी, जेवर, घरेलू सामान और अन्य उपहार देने की परंपरा रही है। ऐसे में सावनी की रस्म एक अलग संदेश देती है। शादी के बाद पहले रक्षाबंधन पर वर पक्ष द्वारा वधू पक्ष के घर उपहार भेजना यह दर्शाता है कि रिश्ता केवल लेने का नहीं, बल्कि देने और सम्मान करने का भी है।

नीलम सैनी बताती है कि सावनी में आई राखियां बहन अपने भाइयों की कलाई पर बांधती हैं और उन्हें खड़पुरी खिलाकर मुंह मीठा कराती हैं। वहीं सावनी लेकर आने वाले लोगों की जमकर खातिरदारी की जाती है। इस तरह यह रस्म दोनों परिवारों के बीच सामाजिक और पारिवारिक संबंधों को और मजबूत करती है।

### बाजारवाद के कारण परंपरा पर संकट

इन दिनों बाजारवाद और बढ़ती व्यस्तता का असर सावनी की परंपरा पर भी पड़ रहा है। कई परिवार अब पारंपरिक सामान भेजने के बजाय सीधे नकदी भेजने लगे हैं। व्यस्त जीवनशैली और बाजार में आसानी से उपलब्ध उपहारों के कारण पारंपरिक खिलौनों और स्थानीय मिठाइयों का चलन कुछ क्षेत्रों में कम हुआ है। हालांकि जालौन समेत बुंदेलखंड के ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में आज भी सावनी का इंतजार महिलाओं और बच्चों को बेसब्री से रहता है। सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि ऐसी लोक परंपराएं केवल रीति-रिवाज नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक स्मृति और पारिवारिक संबंधों की धरोहर हैं। इन्हें संरक्षित रखना नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ आपसी प्रेम और सामाजिक समरसता को भी मजबूत कर सकता है।

# 4 साल की उम्र में याद आया पिछला जन्म, 25 साल का हुआ तो 'पुरानी पत्नी' का हुआ निधन.. अंतिम संस्कार में पहुंचा युवक

( यंग भारत न्यूज )

पलवल में मित्रोल गांव है. यहां 85 साल के चमेली देवी के निधन के बाद राजस्थान से 25 साल का एक युवक उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंचा. युवक का नाम आकाश है. उसका दावा है कि पिछले जन्म में वह चमेली देवी के पति मास्टर हीरालाल था.उसका कहना है कि उसे पिछली जिंदगी की घटनाएं और अपने रिश्ते याद हैं. गांव में आकाश के इस दावे को लेकर लोग हैरान हैं.

मित्रोल गांव निवासी मास्टर हीरालाल 18 जनवरी 1987 को अपने बड़े बेटे जोगेंद्र सिंह चौहान के साथ साइकिल से होडल से गांव लौट रहे थे. इसी दौरान एक बस ने उनकी साइकिल को टक्कर मार दी. हादसे में मास्टर हीरालाल की मौत हो गई, जबकि उस समय 17 साल के जोगेंद्र सिंह घायल हो गए थे. बाद में जोगेंद्र सिंह को सरकारी नौकरी मिली और वह एसडीएम कार्यालय में सुपरिंटेंडेंट के पद पर कार्यरत रहे. जोगेंद्र सिंह के मुताबिक, उनके पिता की मौत के करीब 15 साल बाद एक ऐसी घटना सामने आई, जिसने पूरे परिवार को हैरान कर दिया. जोगेंद्र सिंह के अनुसार, साल 2001 में राजस्थान के भरतपुर जिले के बड़ेसरा गांव में देवी सिंह फौजदार और सरोज देवी के घर आकाश का जन्म हुआ. परिवार का दावा है कि करीब चार साल की उम्र से ही आकाश पिछली जिंदगी से जुड़ी बातें करने लगा था.बताया जाता है कि वह कहता था कि उसके पिछले जन्म में दो बेटे और एक बेटी थे. उसका अपना पक्का मकान था और वह अपने पुराने परिवार के बारे में भी बातें करता था. साल 2006 में आकाश कथित तौर पर मित्रोल पहुंचा और जोगेंद्र सिंह समेत परिवार के लोगों को पहचान लिया. जोगेंद्र सिंह का कहना है कि आकाश के साथ उनका रिश्ता धीरे-धीरे मजबूत होता गया. उन्होंने आकाश की पढ़ाई का खर्च उठाया और आर्थिक रूप से भी उसकी मदद की. परिवार के दूसरे सदस्यों ने भी आकाश को पिछले जन्म के रिश्तों के आधार पर स्वीकार किया. आकाश के वर्तमान पिता देवी सिंह ने भी बताया कि उनका बेटा बचपन से ही ऐसी बातें करता था, जिन्हें वह पिछली जिंदगी से जोड़ता था. जोगेंद्र सिंह ने बताया कि 15 अगस्त को उनकी 85 वर्षीय मां चमेली देवी का निधन हो गया. इसके बाद उन्होंने आकाश को इसकी सूचना दी. खबर मिलते ही आकाश राजस्थान से मित्रोल पहुंचा और अंतिम संस्कार में शामिल हुआ. उसने परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी.आकाश का दावा है कि पिछले जन्म में वह मास्टर हीरालाल था और चमेली देवी उसकी पत्नी थीं. उसका कहना है कि 1987 में सड़क हादसे में उसकी मौत हुई और करीब 15 साल बाद उसका दोबारा जन्म हुआ. आकाश के मुताबिक, उसे पिछली जिंदगी की कई बातें आज भी याद हैं. फिलहाल वह यूपीएससी की तैयारी कर रहा है. पलवल के एक डॉक्टर के मुताबिक, चमेली देवी और मास्टर हीरालाल से जुड़े मामले को लेकर कई सवाल सामने आए थे. डॉक्टरों की टीम ने मामले की जांच की और आकाश की ओर से बताई गई कुछ बातें सटीक पाई गईं. हालांकि, डॉक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि विज्ञान पुनर्जन्म की अवधारणा को प्रमाणित नहीं मानता. ऐसे में आकाश का दावा गांव में चर्चा का विषय जरूर बना हुआ है, लेकिन उसके पुनर्जन्म का वैज्ञानिक प्रमाण होने की पुष्टि नहीं हुई है.

# बीएफ के साथ मां को आपत्तिजनक हालत में देख बेटी ने दी पापा को बताने की धमकी, राज खुलने के डर से रच डाली खौफनाक साजिश और करा दिया घिनौना काम

( यंग भारत न्यूज )

सिद्धार्थनगर के मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के एक गांव से बेहद गंभीर मामला सामने आया है. यहां एक महिला पर आरोप है कि उसने अपने प्रेमी से अपनी ही 13 वर्षीय नाबालिग बेटी का रेप करवाया.

बताया जा रहा है कि 26 जून की शाम महिला ने बेटी को सामान लेने के लिए दुकान भेजा था और इसी दौरान अपने प्रेमी तसव्वुर को घर बुलाया. बेटी जब वापस लौटी तो उसने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया. इसके बाद उसने पिता को पूरी बात बताने की बात कही. आरोप है कि राज खुलने के डर से मां ने प्रेमी को बेटी के साथ रेप करने के लिए उकसाया और खुद भी उसका साथ दिया. पीड़ित बच्ची के पिता जयराम रोजी-रोटी के लिए मुंबई में रहते हैं. गांव में उनकी पत्नी और 13 वर्षीय बेटी रहती थी. 26 जून की शाम महिला ने बेटी को कुछ सामान लाने के लिए दुकान भेज दिया. इसी दौरान उसने कथित तौर पर अपने प्रेमी तसव्वुर को घर बुला लिया.

बेटी जब दुकान से वापस घर पहुंची तो उसने मां और तसव्वुर को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया. इसके बाद उसने मुंबई में रह रहे पिता को इस बारे में बताने की बात कही. आरोप है कि बेटी के पिता को सब कुछ बताने की बात कहने के बाद मां ने उसे डराया-धमकाया. इसके बाद उसने अपने प्रेमी से कहा कि वह बेटी के साथ भी वही करे, जो उसके साथ करता है, ताकि वह किसी को कुछ न बताए. आरोप है कि इसके बाद तसव्वुर ने नाबालिग के साथ रेप किया और इस दौरान उसकी मां ने भी उसका साथ दिया.

बताया गया है कि घटना के बाद आरोपी महिला अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई. वहीं नाबालिग ने मुंबई में रह रहे अपने पिता को फोन कर पूरी घटना की जानकारी दी. बेटी की बात सुनने के बाद जयराम गांव पहुंचे. उन्होंने मामले में कार्रवाई के लिए पहले पुलिस और फिर अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन आरोप है कि सुनवाई नहीं हुई. पुलिस से कार्रवाई न होने पर पीड़ित पिता ने कोर्ट का रुख किया. अब कोर्ट के आदेश के बाद मिश्रौलिया पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है. पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. मामले में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है.

# यूपी का वह सीएम जिसे पीएम आवास में नहीं पहचान पाया कोई, अटल बिहारी तक निहारते रहे चेहरा!

( यंग भारत न्यूज )

वर्ष 1999 में राम प्रकाश गुप्ता का उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनना ना केवल ऐतिहासिक था बल्कि इत्तेफाक भी था. जाने-अनजाने इसकी स्क्रिप्ट 2 साल पहले वर्ष 1997 में ही लिख दी गई थी जब उत्तर प्रदेश में कल्याण सिंह मायावती के साथ 6-6 महीने के एग्रीमेंट के तौर पर मुख्यमंत्री बने थे.मामूली राजनीतिक अनबन के चलते मायावती ने अपना समर्थन वापस लेने का फैसला किया तो कल्याण सिंह ने बहुजन समाज पार्टी के विधायकों को तोड़कर बगैर मायावती के समर्थन के ही यूपी में सरकार बना ली. शुरुआत में यह आसान था और लगा भी, लेकिन वर्ष 1999 आते-आते उनका अपनी ही पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ टकराव शुरू हो गया. बताया जाता है कि उनकी भिड़ंत उस दौर के भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ हो गई थी. आखिरकार कल्याण सिंह ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे ही दिया. इसके बाद राम प्रकाश गुप्ता को यूपी का सीएम बनाना पड़ा.

राम प्रकाश गुप्ता को सगंठन में बखूबी जाना जाता था, लेकिन वह जनमानस के नेता नहीं थे. बावजूद इसके भाजपा आलाकमान ने उनके नाम पर अपनी मुहर लगाई. इससे पहले कई बैठकें हुईं. उस समय राजनाथ सिंह, कलराज मिश्र, ओम प्रकाश सिंह, केशरीनाथ त्रिपाठी, लाल जी टंडन और विनय कटियार जैसे दिक्कत नेता सीएम पद के दावेदार थे. इन सबके बीच 36 का आंकड़ा था और यह जग जाहिर था. इनमें से कोई किसी को मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार करने को तैयार ही नहीं होता. यह बात केंद्रीय नेतृत्व को पता थी. आलाकमान यह भी जानता था कि इनमें किसी एक को सीएम बनाया तो बाकी नेता उसकी सरकार नहीं चलने देंगे. काफी माथापच्ची के बाद 11 नवंबर, 1999 को भाजपा आलाकमान ने राम प्रकाश गुप्ता के नाम पर मुहर लगा दी. 12 नवंबर, 1999 को उन्होंने राज्य के 19वें मुख्यमंत्री के पद की शपथ ली. इसके बाद करीब एक साल तक यानी 28 अक्टूबर 2000 तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे. इससे पहले यानी 11 नवंबर, 1999 को रोचक बात हुई. दरअसल, जब भाजपा ने उनका नाम तय कर लिया, तब उन्हें दिल्ली तलब किया गया. हैरत की बात यह है कि भाजपा के ज्यादातर नेताओं को पता नहीं था कि राम प्रकाश गुप्ता लखनऊ में कहां रह रहे हैं? कहा जाता है कि इसके बाद लखनऊ पुलिस को रामप्रकाश गुप्ता का दो कमरे का घर ढूंढने में रात को 2 घंटे से ज्यादा लग गए थे. अगले दिन यानी 12 नवंबर, 1999 को राम प्रकाश गुप्ता दिल्ली पहुंचे और पीएम हाउस गए. यहां पर लॉन में खड़े राम प्रकाश गुप्ता को किसी भी पत्रकार ने नहीं पहचाना था. वहीं, बीजेपी अध्यक्ष कुशाभाऊ ठाकरे ने ऐलान किया कि ये रामप्रकाश गुप्ता हैं और कल्याण सिंह की जगह लेने जा रहे हैं. हैरत की बात यह है कि अटल बिहार वाजपेयी भी कुछ देर देखने के बाद राम प्रकाश गुप्ता को पहचान पाए, क्योंकि दोनों के मुलाकात इससे पहले नाम मात्र को हुई थी.

# संबंध बनाने के बहाने जंगल में ले गया, बोला कपड़े उतारो और फिर. शादी के बावजूद महिला का 2 युवक से चल रहा था प्रेम प्रसंग

( यंग भारत न्यूज )

प्रदेश के सहारनपुर में गागलहेड़ी थाना क्षेत्र में जंगल में एक महिला की लाश मिली थी. जिसका पुलिस ने खुलासा किया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद जांच शुरू हो गई थी.

मृतक की पहचान खेड़ा मावी खुर्द के रहने वाले वाजिद की पत्नी इमराना के तौर पर हुई है. पुलिस ने हत्या के आरोप में उसके पड़ोसी शमशाद जोगी को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक, शमशाद और इमराना के बीच पिछले 7-8 महीनों से प्रेम संबंध थे. इस पूरे मामले पर एसपी सिटी व्योम बिंदल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बताया कि इमराना छुटमलपुर की एक फार्मास्युटिकल कंपनी में काम करती थी. ये खबर आप क्विक समाचार में पढ़ रहे हैं। बताया जा रहा है कि शमशाद अक्सर उसे अपनी मोटरसाइकिल से काम पर छोड़ने और ले जाने का काम करता था. इस दौरान दोनों के बीच संबंध बन गए. इमराना की बेटी आफरीन की शादी की बातचीत चल रही थी और वह शादी के लिए शमशाद से पैसे मांग रही थी. शमशाद ने पैसे देने से इनकार कर दिया, जिससे उनके बीच अक्सर झगड़े होने लगे. पुलिस की जानकारी के मुताबिक, शमशाद इमराना के केसर उर्फ केशव नाम के एक अन्य व्यक्ति के साथ कथित संबंधों को लेकर भी नाराज चल रहा था और इमराना द्वारा पैसे मांगने की वजह से भी नाराज चल रहा था. इसके अलावा, जानकारी सामने आ रही है कि वह केसर के साथ रिश्ते को खत्म करने के लिए उस पर दबाव डालता था. लगातार झगड़ों और पैसे की मांग से परेशान होकर शमशाद ने इमराना की हत्या की साजिश रची. बताया जा रहा है कि शमशाद ने पहले ही इमराना की हत्या करने की योजना बना ली थी. अपनी योजना पर अमल करते हुए शमशाद ने 13 अगस्त की शाम को इमराना को उसके काम की जगह से लेने गया. उसने अपना मोबाइल फोन घर पर छोड़ दिया था और सीसीटीवी कैमरों में पहचान से बचने के लिए बाइक में भी थोड़े-बहुत बदलाव कर दिए. इसके बाद वह इमराना को प्रेम संबंध और पैसे देने के बहाने गागलहेड़ी थाना क्षेत्र के नांगल अहीर गांव के जंगल में ले गया. जंगल पहुंचने पर शमशाद ने इमराना से अपने कपड़े उतारने को कहा. जैसे ही उसने कपड़े उतारना शुरू किया, शमशाद ने बाइक में रखी लोहे की रॉड निकाली और उसके सिर और चेहरे पर कई बार वार किए. जिससे इमराना को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई. इसके बाद आरोपी ने लाश को एक नाले में फेंक दिया. उसने लोहे की रॉड से इमराना का मोबाइल फोन तोड़ दिया और उसे पास के तालाब में फेंक दिया, साथ ही रॉड भी तालाब में फेंक दी.

# सर्वे: यूपी में किस गठबंधन की होगी जीत? कांटे की टक्कर में योगी को पछाड़ रहे अखिलेश

( यंग भारत न्यूज )

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले राज्य में सियासी बयार तेज है. सत्तारूढ़ गठबंधन कुर्सी बचाने तो विपक्षी गठबंधन कुर्सी पाने की जुगत में लग चुका है. इस बीच बड़ा सवाल यह है कि यूपी की जनता क्या चाहती है ?इस सवाल का जवाब वोट वाइब के स्टेट वाइब सर्वे से मिला है. यूपी में मुख्य तौर पर दो गठबंधन हैं- बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए और समाजवादी पार्टी के नेतृत्व वाला इंडिया अलायंस, जिसका हिस्सा कांग्रेस भी है. सर्वे में जनता से सवाल किया गया कि आगामी यूपी चुनाव में वे किस गठबंधन के जीतने की उम्मीद करते हैं ?

सर्वे में जनता के जवाब के बाद जो आंकड़े निकल कर सामने आए हैं, उस हिसाब से 41.1 फीसदी लोगों ने बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए के जीतने की उम्मीद जताई है. वहीं, 41.2 फीसदी लोगों का मानना है कि अखिलेश यादव की इंडिया अलायंस भी चुनाव जीत सकती है. यह आंकड़ा कुछ हद तक अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के लिए खुशखबरी की तरह देखा जा रहा है. दोनों ही प्रमुख दलों में कांटे की टक्कर तो है, लेकिन इस सर्वे में सपा नीट इंडिया अलायंस के लिए पॉइंट वन फीसदी ज्यादा जनता ने समर्थन दिया.वहीं, 4.4 प्रतिशत लोगों ने मायावती की बहुजन समाज पार्टी और 2.8 प्रतिशत लोगों ने अन्य दलों पर भरोसा जताया. इसके अलावा करीब 10.5 फीसदी लोग ऐसे रहे जिनका मानना है कि वह अभी कुछ नहीं कह सकते. चुनाव के दौरान ही निर्णय लेंगे. दरअसल, जब जनता से सवाल किया गया कि वे किस गठबंधन को वोट देंगे तो 41.8 फीसदी ने एनडीए और 38.7 फीसदी ने इण्डिया का नाम लिया. ऐसे में वोट शेयर का अंतर महज 3.1 प्रतिशत बनता है. हालांकि, सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि 'कौन जीतेगा' के सवाल पर दोनों गठबंधन- बीजेपी 41.1% और इंडिया अलायंस 41.2% पर पूरी तरह बराबर खड़े दिख रहे हैं. ऐसे में यह कहा जा सकता है कि यूपी की जनता में धारणा बन चुकी है कि दोनों दलों में मुकाबला बिल्कुल बराबरी का हो सकता है.

# 'लोकनायक के नाम पर खलनायक का काम कर रही बीजेपी '. जेपीएनआईसी पर सपा प्रमुख का बड़ा बयान.

( यंग भारत न्यूज )

प्रदेश की राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) को लेकर भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर तीखा हमला बोला है। सपा प्रमुख ने सरकार द्वारा जेपीएनआईसी को निजी हाथों में सौंपने की तैयारियों पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि यह केंद्र जनता के टैक्स के पैसे से बनाया गया था, फिर इसे निजी हाथों में क्यों दिया जा रहा है ? अखिलेश यादव ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि बीजेपी सरकार 10 साल में भी इसका निर्माण कार्य पूरा नहीं करा पाई। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, '10 साल तक सरकार क्या सिर्फ जांच ही करती रही ? यह सरकार लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नाम पर खलनायक का काम कर रही है।' उन्होंने कहा कि बीजेपी के नाम में दो अक्षर जेपी के ही हैं, लेकिन फिर भी वे उनके विचारों और धरोहर का अपमान कर रहे हैं। तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि अगर बस चले तो बीजेपी वाले खुद अपनी पार्टी 'बीजेपी' को ही बेच दें। सपा अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि राज्य में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर जेपीएनआईसी मामले में हुए भ्रष्टाचार की गहन जांच कराई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस पूरे खेल में जो भी अधिकारी शामिल हैं, उनकी भूमिका की भी जांच होगी और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# 11:30 बजे भरी थी उड़ान, 20 मिनट बाद खेत में बिखरा विमान... कानपुर प्लेन क्रैश की पूरी टाइमलाइन

( यंग भारत न्यूज )

कानपुर में गुरुवार को हुआ ट्रेनिंग विमान हादसा कई सवाल छोड़ गया। सुबह सब कुछ सामान्य था। एक प्रशिक्षु पायलट और अनुभवी प्रशिक्षक ट्रेनिंग फ्लाइट के लिए विमान में सवार हुए, लेकिन उड़ान भरने के करीब 20 मिनट बाद विमान गंगा किनारे एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

हादसे में दोनों की जान चली गई। आइए जानते हैं उस आखिरी उड़ान की पूरी टाइमलाइन। जानकारी के मुताबिक, ट्विन-इंजन और चार सीटों वाला ट्रेनिंग विमान कानपुर के गर्ग एविएशन ट्रेनिंग सेंटर से सुबह करीब 11:30 बजे रवाना हुआ। विमान स्थानीय फ्लाइंग एरिया में प्रशिक्षण उड़ान पर था। विमान में दो लोग मौजूद थे। इनमें एक प्रशिक्षु पायलट और दूसरा इंस्ट्रक्टर था। मृतकों की पहचान गुजरात निवासी सचिन भाटिया और कर्नाटक निवासी अभिषेक पुजारी के रूप में हुई। उड़ान के करीब 20 मिनट बाद, जब विमान ट्रेनिंग सेंटर की ओर वापस लौट रहा था, तभी वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। शुरुआती जानकारी में विमान के नियंत्रण खोने की बात सामने आई है, लेकिन दुर्घटना की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। विमान गंगा नदी के किनारे स्थित एक खेत के पास गिरा। हादसे के बाद आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटनास्थल से सामने आए वीडियो और तस्वीरों में विमान पूरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाई दिया। उसका ढांचा टूट चुका था, धातु के हिस्से मुड़े हुए थे और पंख समेत कई हिस्से खेत में बिखरे पड़े थे। सूचना मिलते ही पुलिस और आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचीं। पूरे इलाके को सुरक्षित कर जांच शुरू की गई। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल के मुताबिक, विमान में मौजूद इंस्ट्रक्टर के पास करीब 3,000 घंटे का उड़ान अनुभव था। इसके बावजूद यह ट्रेनिंग फ्लाइट हादसे का शिकार हो गई। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। संबंधित एजेंसियां घटनास्थल और विमान से जुड़े तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जांच करेंगी। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि सिर्फ 20 मिनट की उड़ान के दौरान आखिर क्या हुआ, जिससे विमान नियंत्रण खो बैठा ? इसका जवाब जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

# 'मैं तुमसे जूते साफ करवाऊंगी.' ग्रेटर नोएडा की सोसाइटी में डिलीवरी बॉय को रोकने पर भड़की महिला, गार्ड्स पर बरसाए थप्पड़ और जातिसूचक गालियां!

( यंग भारत न्यूज )

ग्रेटर नोएडा की एक हाई-प्रोफाइल सोसाइटी से जुड़ा एक बेहद शर्मनाक और हैरान कर देने वाला मामला इन दिनों सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है. बिसरख थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली 'आम्रपाली सेंचुरियन पार्क टेरेस होम्स' सोसाइटी का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला ऑनलाइन फूड डिलीवरी ब्वॉय को रोके जाने पर अपना आपा खो बैठती है.महिला गार्ड्स पर भड़क जाती है, उन्हें गालियां देती है और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए अपनी अमीरी का रोब झाड़ती है. वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे वह महिला कानून और इंसानियत को ताक पर रखकर सुरक्षाकर्मियों को धमका रही है और कहती है कि 'जूता साफ कराऊंगी.' इस घटना के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है और हर कोई महिला के इस अभद्र व्यवहार की कड़ी निंदा कर रहा है. आइए जानते हैं कि आखिर क्या है पूरा मामला-

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, यह पूरी घटना बुधवार रात की है, जब ग्रेटर नोएडा वेस्ट के आम्रपाली सेंचुरियन पार्क टेरेस होम्स सोसाइटी में एक फूड डिलीवरी ब्वॉय ऑर्डर लेकर पहुंचा. सोसाइटी के नियमों के मुताबिक जब सुरक्षा गार्ड्स ने गेट पर डिलीवरी ब्वॉय को रोककर उसकी वेरिफिकेशन करना चाहा, तो ऑनलाइन खाना ऑर्डर करने वाली महिला को यह बात नागवार गुजरी. खाने के आने में हुई मामूली देरी से वह इतनी भड़क गई कि सीधे सोसाइटी के गेट पर पहुंच गई और वहां मौजूद गार्ड्स के साथ जमकर हंगामा करने लगी. वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि वह महिला गुस्से में किस हद तक उतर आई थी. वह ना सिर्फ गार्ड्स पर चीखती-चिल्लाती नजर आ रही है, बल्कि कुर्सी पर बैठे एक गार्ड की तरफ पैर से हमला करने की कोशिश भी करती है. इसके अलावा, वह एक दूसरे गार्ड को थप्पड़ या हाथ से मारने का प्रयास करती हुई भी दिखाई देती है. महिला का यह आक्रामक रूप

देखकर वहां मौजूद लोग भी हैरान रह गए कि आखिर कोई इतनी सी बात पर इतना कैसे भड़क सकता है. विवाद के दौरान महिला ने अपनी अकड़ दिखाते हुए सुरक्षाकर्मियों की आर्थिक स्थिति का मजाक उड़ाया और उन्हें बुरी तरह जलील किया. वीडियो में उसे यह कहते हुए साफ सुना जा सकता है, 'तुम मेरी तुलना में कुछ नहीं हो, मैं तुमसे अपने जूते साफ करवाऊंगी.' इतना ही नहीं, उसने गुस्से में हद पार करते हुए गार्ड्स को जातिसूचक गालियां दीं और कहा, 'गरीबों की औलाद... जेब में दो रोटी नहीं है...' उसने पुलिस को भी खुलेआम चुनौती दी और अहंकार में कहा, 'बुला, किसको बुलाएगा?', और दावा किया कि पुलिस भी उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती. जैसे ही यह वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ, लोगों ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया. सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि पैसे और रसूख के नशे में चूर ऐसे लोग गरीबों और मेहनतकश लोगों की इज्जत करना नहीं जानते और इन्हें कानून का कोई डर नहीं होता. वहीं दूसरी ओर, इस मामले के तूल पकड़ने के बाद बिसरख पुलिस हरकत में आ गई है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे वीडियो की गंभीरता से जांच कर रहे हैं और यह भी पता लगाया जा रहा है कि आखिर किन परिस्थितियों में डिलीवरी ब्वॉय को रोका गया था और इस पूरे विवाद की शुरुआत कैसे हुई.

# मिलावट के खिलाफ खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, चार प्रतिष्ठानों से लिए खाद्य पदार्थों के नमूने

## उरई, कोंच और जालौन तहसील क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी

- मिल्क केक, पेड़ा और खोया के लिए गए चार नमूने, जांच को भेजे जाएंगे प्रयोगशाला
- जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित खाद्य कारोबारियों पर होगी नियमानुसार विधिक कार्रवाई
- खाद्य पदार्थों में मिलावट न करने की कारोबारियों को दी गई सख्त हिदायत

( यंग भारत न्यूज )

**उरई।** जनपदवासियों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट पर प्रभावी रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की ओर से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार 27 अगस्त 2026 को विभागीय टीमों ने उरई, कोंच और जालौन तहसील क्षेत्र में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों एवं खोया भट्टी पर छापेमार कार्रवाई करते हुए कुल चार खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए। सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रेतर विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, जालौन डॉ. सी.आर. प्रजापति ने बताया कि आम जनमानस को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से छापेमार कार्रवाई के लिए विभागीय टीमों का गठन किया गया है। टीमों द्वारा लगातार खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की निगरानी की जा रही है।

**उरई में दो प्रतिष्ठानों से नमूने**

अभियान के तहत उरई नगर पालिका क्षेत्र के राजमार्ग घंटाघर स्थित बच्चाराम स्वीट्स एंड बेकर्स प्रतिष्ठान पर पहुंचकर टीम ने खाद्य पदार्थ मिल्क केक का एक नमूना संग्रहित किया। इसके बाद कालपी रोड पर जायसवाल होटल के पास स्थित टिक्कू पेड़ा वाले के प्रतिष्ठान से पेड़ा का एक नमूना लिया गया। दोनों नमूनों को नियमानुसार जांच के लिए प्रयोगशाला भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

**नई मऊ में खोया भट्टी से लिया नमूना**

इसी अभियान के तहत कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम नई मऊ में संचालित श्री रमाकान्त यादव की खोया भट्टी का भी निरीक्षण किया गया। यहां से खाद्य पदार्थ खोया का एक नमूना संग्रहित किया गया। टीम ने खोया की गुणवत्ता की जांच के लिए नमूना सुरक्षित किया और उसे प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजने की प्रक्रिया पूरी की।

**मदारीपुर में पेड़ा का नमूना**

जालौन तहसील क्षेत्र के मदारीपुर स्थित साईं स्वीट्स हाउस का भी विभागीय टीम ने निरीक्षण किया। यहां से खाद्य पदार्थ पेड़ा का एक नमूना संग्रहित किया गया। इस प्रकार 27 अगस्त को विभागीय टीम द्वारा कुल चार नमूने लिए गए हैं। खाद्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार सभी नमूनों को प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि किसी खाद्य पदार्थ में निर्धारित मानकों के विपरीत गुणवत्ता या मिलावट पाई जाती है तो संबंधित खाद्य कारोबारकर्ता के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

**कारोबारियों को दी गई हिदायत**

अभियान के दौरान खाद्य कारोबारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि खाद्य पदार्थों में किसी भी प्रकार की मिलावट न की जाए। अधिकारियों ने कारोबारियों से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता के निर्धारित मानकों का पालन करने की अपील की। विभाग की ओर से कहा गया कि त्योहारों एवं विशेष अवसरों के दौरान मिठाइयों और दुग्ध उत्पादों की मांग बढ़ने के मद्देनजर गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। डॉ. सी.आर. प्रजापति ने कहा कि जनपदवासियों को शुद्ध एवं सुरक्षित दूध, दुग्ध उत्पाद तथा अन्य खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए विभाग की निगरानी और कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि खाद्य एवं पेय पदार्थों की गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। अभियान दल में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार राय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार कटियार, कन्हैया लाल यादव, सुनील कुमार एवं झनकार सिंह शामिल रहे। विभागीय अधिकारियों ने कहा कि जनपद में सुरक्षित खाद्य व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण की कार्रवाई जारी रहेगी।

# त्योहार पर मिठाई खरीदने से पहले रहें सावधान, जालौन में 31 में 16 नमूने फेल

( यंग भारत न्यूज )

**उरई (जालौन)।** रक्षाबंधन के त्योहार से पहले यदि आप बाजार से खोया, पनीर, मिठाई या खाद्य तेल खरीद रहे हैं तो सावधानी बरतना जरूरी है। जालौन में खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच रिपोर्ट ने मिलावट को लेकर चिंता बढ़ा दी है। अब तक आई 31 नमूनों की जांच रिपोर्ट में 16 नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे, जबकि 15 नमूने सही पाए गए हैं।जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम लगातार अभियान चलाकर खाद्य पदार्थों के नमूने ले रही है। रक्षाबंधन से पहले कोंच और कालपी क्षेत्र में छापेमारी कर खोया, छैना की मिठाई, बेसन के लड्डू, रिफाइंड सोयाबीन ऑयल और गुझिया समेत विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए हैं। इनकी जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। विभाग के अनुसार कुल 81 नमूने जांच के लिए भेजे गए थे, जिनमें से अभी तक 31 की रिपोर्ट प्राप्त हुई है। इनमें 16 नमूने फेल पाए गए हैं, जबकि 50 नमूनों की जांच रिपोर्ट अभी लंबित है। खाद्य तेल और बेकरी उत्पादों के नमूनों में भी गड़बड़ी सामने आने की बात कही जा रही है।

**50 रिपोर्ट का इंतजार, त्योहार पर बढ़ी चिंता**

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि लंबित 50 नमूनों की जांच रिपोर्ट में क्या सामने आता है? त्योहार के दौरान मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों की बिक्री बढ़ जाती है। ऐसे में खाद्य सुरक्षा विभाग के सामने मिलावटखोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने की बड़ी चुनौती है।खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई से साफ है कि त्योहार पर मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थ खरीदते समय गुणवत्ता को लेकर सतर्क रहना बेहद जरूरी है। उपभोक्ताओं को खुले में रखी, संदिग्ध रंग वाली या खराब गुणवत्ता की मिठाइयों से बचने की सलाह दी जाती है।

# बोलेरो से कुचलकर पति की मौत का आरोप, पत्नी ने डीएम से हत्या का मुकदमा दर्ज कराने की लगाई गुहार

## पुलिस पर हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज न करने का आरोप, पीड़िता ने उच्चाधिकारियों से कार्रवाई की मांग की

( यंग भारत न्यूज )

**उरई (जालौन)।** कुठौंद थाना क्षेत्र की एक महिला ने अपने पति की मौत के मामले में गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर हत्या का मुकदमा दर्ज कराए जाने की मांग की है। महिला का आरोप है कि उसके पति को रंजिश के चलते बोलेरो सवार लोगों ने वाहन से टक्कर मारकर कुचल दिया, जिससे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

प्रार्थना पत्र के अनुसार, वीना तिवारी पत्नी विनय कुमार, निवासी लोई/दिवारा, थाना कुठौंद, ने बताया कि घटना के दौरान उसके पति वाहन से जा रहे थे। इसी दौरान बोलेरो में सवार तीन लोगों ने कथित रूप से उनके पति को वाहन से टक्कर मार दी। आरोप है कि पति वाहन के अगले हिस्से में फंस गए और काफी दूर तक घिसटते रहे। उन्होंने बचाने के लिए गुहार लगाई, लेकिन आरोपितों ने वाहन नहीं रोका। महिला के मुताबिक, हादसे में गंभीर रूप से घायल पति को उपचार के लिए कानपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चोटों के चलते उनकी मृत्यु हो गई। पीड़िता का आरोप है कि मामले में पुलिस ने उसकी शिकायत पर हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज नहीं किया। प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि पुलिस द्वारा दर्ज रिपोर्ट में घटना से संबंधित धाराएं लगाई गई हैं, लेकिन हत्या का मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। पीड़िता ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर घटना में शामिल लोगों के खिलाफ हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज करने और कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। प्रार्थना पत्र पर 27 अगस्त 2026 की तारीख अंकित है।

# लगातार बारिश से कालपी में जनजीवन प्रभावित, कई स्थानों पर जर्जर दीवारें ढहीं,दो महिलाये घायल

( यंग भारत न्यूज )

**उरई।** कालपी तहसील क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित होने लगा है। कालपी के मनीगंज बजरिया में एक पुराने और बंद पड़े मकान की दीवार अचानक ढह गई। मलबे की चपेट में आने से कानपुर देहात के ग्राम डिलोलिया निवासी दो महिलाएं नन्ही और फूलवती मामूली रूप से घायल हो गईं। वहीं, एक पेड़ गिरने से नगर पालिका परिषद कालपी के कर्मचारी महेंद्र सिंह का मकान भी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही महिला पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचीं और घायल महिलाओं को उपचार के लिए सीएचसी कालपी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई गंभीर जनहानि नहीं हुई। उधर, प्राचीन छंगे आश्रम मंदिर की करीब सौ वर्ष पुरानी मजबूत दीवार भी लगातार बारिश के कारण ढह गई। मंदिर के महंत मनीष महाराज ने बताया कि दीवार कई बाढ़ों का सामना कर चुकी थी, लेकिन इस बार लगातार हो रही बारिश के चलते धराशायी हो गई। उन्होंने मंदिर की वर्तमान स्थिति के सर्वेक्षण के लिए अधिकारियों को लिखित सूचना देने की बात कही। तहसील क्षेत्र के आटा, भेड़ी खुर्द और दादूपुर गांवों में भी बारिश के कारण कच्चे मकानों के आंशिक रूप से गिरने की जानकारी सामने आई है। तहसीलदार श्रीप कुमार मिश्रा के निर्देश पर क्षेत्रीय लेखपालों एवं राजस्व कर्मचारियों की अलग-अलग टीमों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। तहसीलदार ने बताया कि मकान गिरने की घटनाओं में किसी प्रकार की जनहानि या धनहानि नहीं हुई है। राजस्व टीमों से मौके की रिपोर्ट प्राप्त की जा रही है। रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगे की विभागीय कार्रवाई की जाएगी। लगातार बारिश के कारण खेतों में भी पानी भर गया है, जिससे तिल की फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका है। किसानों का कहना है कि यदि खेतों में जलभराव बना रहा तो फसल चौपट हो सकती है। प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर मकानों और जलभराव वाले इलाकों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

# जिला कारागार का डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण, रक्षाबंधन को लेकर दिए विशेष निर्देश

( यंग भारत न्यूज )

**उरई।** जिला मजिस्ट्रेट जालौन एवं पुलिस अधीक्षक जालौन ने गुरुवार 27 अगस्त 2026 को जिला कारागार उरई का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने कारागार की सुरक्षा, प्रशासनिक व्यवस्था, बंदियों की सुविधाओं, साफ-सफाई एवं स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

संयुक्त निरीक्षण टीम ने सबसे पहले जेल अस्पताल का निरीक्षण किया। इसके बाद किशोर बैरक, महिला बैरक, पाकशाला तथा कारागार की अन्य बैरकों का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने बैरकों में निरुद्ध बंदियों से सीधे बातचीत कर उनके मुकदमों की पैरवी, स्वास्थ्य, भोजन, रहने की व्यवस्था तथा मुलाकात के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बंदियों से उनकी समस्याओं के बारे में भी जानकारी लेते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया।

बरसात को देखते हुए मच्छरों से बचाव के निर्देश

वर्तमान में बरसात का मौसम होने के कारण मच्छरों से होने वाली बीमारियों की आशंका को देखते हुए जिला मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधीक्षक ने कारागार प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने मलेरिया के मच्छरों से बचाव के लिए कारागार परिसर में आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने, साफ-सफाई बनाए रखने तथा स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। निरीक्षण के दौरान कारागार की प्रशासनिक व्यवस्था एवं साफ-सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। संयुक्त निरीक्षण टीम ने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। अधिकारियों ने कहा कि कारागार में निरुद्ध बंदियों को निर्धारित सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को भी प्रभावी बनाए रखा जाए।

रक्षाबंधन पर्व को लेकर सतर्कता

आगामी रक्षाबंधन पर्व के दृष्टिगत जिला कारागार में विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने पर्व के दौरान कारागार की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक सतर्कता बरतने तथा आने-जाने वाले लोगों की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही बंदियों से मुलाकात एवं अन्य व्यवस्थाओं को भी नियमानुसार सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के अवसर पर जेल अधीक्षक प्रशान्त मौर्य, कारापाल प्रदीप कुमार, कारागार चिकित्साधिकारी राहुल वर्मन, उप कारापाल अमर सिंह, उप कारापाल श्रीमती सुखवती देवी सहित कारागार का अन्य स्टाफ उपस्थित रहा। जिला प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों ने कारागार प्रशासन को सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं बंदियों से संबंधित व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कारागार की व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लेने के बाद संयुक्त टीम का निरीक्षण कुशलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

# त्योहारों पर सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रखने के निर्देश, अपराधियों को सजा दिलाने पर जोर

## डीएम-एसपी ने अभियोजन, कानून व्यवस्था और आगामी पर्वों को लेकर की समीक्षा बैठक

( यंग भारत न्यूज )

**उरई (जालौन)।** पुलिस लाइन स्थित सभागार में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने अभियोजन, कानून व्यवस्था तथा आगामी त्योहारों की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में अधिकारियों को लंबित आपराधिक मामलों में प्रभावी पैरवी करने और गंभीर अपराधों की विवेचना समयबद्ध तरीके से पूरी करने के निर्देश दिए गए।बैठक में अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, अभियोजन अधिकारी, उपजिलाधिकारी और क्षेत्राधिकारी मौजूद रहे। डीएम-एसपी ने विशेष रूप से गैंगस्टर एक्ट और महिला अपराधों से जुड़े मामलों में प्रभावी पैरवी कर आरोपियों को न्यायालय से सजा दिलाने पर जोर दिया। साथ ही लंबित वादों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि गंभीर अपराधों की विवेचना में किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी न हो और विवेचना की गुणवत्ता बनाए रखते हुए निर्धारित समयसीमा में कार्रवाई पूरी की जाए। इसके अलावा आईजीआरएस, जनसुनवाई और थाना समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा गया।आगामी बारावफात, रक्षाबंधन और जन्माष्टमी पर्वों को देखते हुए जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के निर्देश दिए। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती करने तथा शांति एवं कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले तत्वों पर कड़ी नजर रखने को कहा गया।अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सभी पर्वों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना प्रशासन एवं पुलिस की प्राथमिकता है। बैठक में संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सतर्कता बरतते हुए कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

# जलभराव से ग्रामीण परेशान, मुख्य मार्ग पर आवागमन बाधित

( यंग भारत न्यूज )

**महोबा/जालौन।** ग्राम मोहराई के ग्रामीणों ने गांव के मुख्य मार्ग पर लंबे समय से बने जलभराव की समस्या को लेकर जिलाधिकारी से शिकायत कर तत्काल जल निकासी की व्यवस्था कराए जाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि जलभराव के कारण गांव के लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शिकायती पत्र में बताया गया है कि गांव के मुख्य मार्ग पर जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण बारिश का पानी जमा हो जाता है। इससे ग्रामीणों के साथ-साथ स्कूली बच्चों को भी आने-जाने में दिक्कत होती है। जलभराव के चलते बच्चों का स्कूल पहुंचना मुश्किल हो रहा है, वहीं ग्रामीणों को रोजमर्रा के कार्यों के लिए भी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि मुख्य मार्ग के आसपास रहने वाले परिवार भी जलभराव से प्रभावित हैं। पानी जमा रहने से सड़क की स्थिति खराब हो रही है और संक्रमण का खतरा भी बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या की जानकारी संबंधित स्तर पर दिए जाने के बावजूद अब तक स्थायी समाधान नहीं कराया गया है। शिकायत में ग्राम पंचायत स्तर से जल निकासी की उचित व्यवस्था कराने तथा मुख्य मार्ग से पानी की निकासी सुनिश्चित करने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मामले का संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों को मौके का निरीक्षण कराने और समस्या का शीघ्र समाधान कराने की गुहार लगाई है।

# तहसील गेट की चाय की दुकान पर कथित रैकेट का आरोप, गरीबों को जाल में फंसाकर धनदोहन का दावा

( यंग भारत न्यूज )

**उरई (जालौन)।** जिला मुख्यालय उरई स्थित तहसील गेट के बाहर संचालित एक चाय की दुकान इन दिनों चर्चाओं में है। आरोप है कि दुकान से जुड़े सोनू नामक व्यक्ति द्वारा लंबे समय से कथित रूप से एक रैकेट संचालित किया जा रहा है, जिसके जरिए आम गरीब और असहाय लोगों को अपने प्रभाव में लेकर उनसे धन की वसूली की जाती है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि तहसील परिसर के आसपास आने वाले गरीब एवं जरूरतमंद लोग जब अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचते हैं, तो उन्हें मदद दिलाने अथवा काम कराने का भरोसा देकर कथित तौर पर अपने जाल में फंसाया जाता है। इसके बाद विभिन्न माध्यमों से उनसे धन लिया जाता है। बताया जाता है कि तहसील गेट के बाहर चाय की दुकान पर दिनभर लोगों का जमावड़ा लगा रहता है। इसी स्थान से कथित गतिविधियों को संचालित किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर यदि आरोप सही पाए जाएं तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है। हालांकि, लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। मामले की वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। प्रशासन से मांग है कि तहसील गेट के आसपास संचालित गतिविधियों की जांच कर गरीब एवं असहाय लोगों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

# यूजीसी के नए नियमों पर बीपी जनता दल का तीखा हमला : राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजेंद्र प्रताप सिंह ने सरकार को घेरा

( यंग भारत न्यूज )

**माधौगढ़ ( जालौन ):** विश्वनाथ प्रताप जनता दल (बीपी जनता दल) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजेंद्र प्रताप सिंह ने प्रेस वार्ता के दौरान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यू जी सी के नए नियमों और सरकारी नीतियों को लेकर केंद्र व राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने पत्रकारों को यूजीसी की कार्यप्रणाली, नए नियमों के बदलावों और जनता में बढ़ रहे असंतोष के कारणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

यूजीसी कानून में बदलाव और विरोध की मुख्य वजह

राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि यूजीसी उच्च शिक्षा को विनियमित करने वाली एक प्रमुख संस्था है, लेकिन सरकार द्वारा लाए जा रहे नए नियमों से छात्रों, शिक्षकों और शिक्षण संस्थानों पर अनावश्यक दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार नए कानूनों के नाम पर शिक्षण संस्थानों को डराने की कोशिश कर रही है। दिशा-निर्देशों का पालन न करने पर सीधी और सख्त कार्रवाई का प्रावधान बनाकर स्वायत्तता को समाप्त किया जा रहा है।

नए बदलावों की वजह से शिक्षा महंगी हो रही है और सामान्य वर्ग व ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा पाना कठिन होता जा रहा है। यही कारण है कि देशभर में इन नए नियमों का पुरजोर विरोध हो रहा है। बढ़ती महंगाई पर जताई गहरी चिंता पत्रकारों से बात करते हुए बृजेंद्र प्रताप सिंह ने केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि आम जनता से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण देश में महंगाई चरम पर है। रसोई गैस, खाने-पीने की चीजें और पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों ने गरीब और मध्यम वर्ग की कमर तोड़कर रख दी है। आम आदमी अपना जीवन यापन करने के लिए संघर्ष कर रहा है, जबकि सरकार जमीनी समस्याओं से ध्यान भटकाने का काम कर रही है। इस अवसर पर पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता के दौरान संगठन को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों पर सड़क से लेकर संसद तक आवाज उठाने का संकल्प लिया गया। मौके पर प्रमुख रूप से उदय प्रताप सिंह भदोरिया ( उर्फ शैलू राजा ) – प्रदेश अध्यक्ष, बीपी जनता दल खान साहब – वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता बीपी जनता दल के दर्जनों स्थानीय कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शिक्षा विरोधी कड़े नियमों और बेतहाशा बढ़ती महंगाई पर जल्द अंकुश नहीं लगाया, तो बीपी जनता दल आम जनता को साथ लेकर सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

# ईद उल मिलादुन्नवी का आलीशान गेट बनाने वाली कमेटी के कारीगर सम्मानित

( यंग भारत न्यूज )

**कालपी-उरई।** पैगम्बरे आजम हजरत मोहम्मद मुस्तफा की आमद की खुशी में कालपी के नौजवानों द्वारा निर्मित किए गए आकर्षक गेट को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। थर्माकोल शीट से तैयार किए गए इस आलीशान गेट को देखने के लिए बारिश के बावजूद दूर-दराज से लोग पहुंचे। जुलूस-ए-मोहम्मदी के बाद रात में रजा-ए-मुस्तफा कमेटी के तत्वावधान में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हाफिज इरशाद अशरफी, समाजसेवी आसिफ कुरैशी एडवोकेट तथा पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि जगजीवन अहिरवार ने गेट निर्माण में अपनी कला और मेहनत का प्रदर्शन करने वाले कारीगरों व कार्यकर्ताओं को माला पहनाकर तथा उपहार देकर सम्मानित किया। बताया गया कि 26 अगस्त की सुबह तेज बारिश और हवा के कारण गेट में लगी थर्माकोल शीट क्षतिग्रस्त हो गई थीं। इसके बाद कमेटी के कलाकारों ने अपनी कारीगरी का परिचय देते हुए कुछ ही समय में नई शीट काटकर गेट को दोबारा तैयार कर दिया। उनकी इस मेहनत की लोगों ने जमकर सराहना की। गेट निर्माण में मुख्य काली सईद अंसारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आसिफ कुरैशी एडवोकेट ने कहा कि कई दिनों तक रात-दिन मेहनत कर गेट को तैयार किया। इसकी सफेदी और आकर्षक ससजावट को देखकर लोगों ने इसे बेहद खूबसूरत बताया। इस कार्य में मुजम्मिल शेख, जाहिद, अलीम, कमाल, आसिफ, साजिद, फैज, शादाब, अजहर, जैद, अनस, वली रहमानी, मोहसिन, अनवार, हमीद, मुजीब, भूरा, इमरान और इकरार समेत कई लोगों ने सहयोग किया।

## दो दिनों से पानी की सप्लाई ठप्प होने से कागजीपुरा के वाशिंदे परेशान

( यंग भारत न्यूज )

**कालपी-उरई।** स्थानीय नगर के कागजीपुरा मोहल्ले में कई दिनों से पानी की सप्लाई ठप होने से बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं।मालूम हो कि पिछले दो दिनों से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह ठप पड़ी हुई है। भीषण बारिश और त्यौहार व दैनिक ज़रूरतों के बीच पानी न आने से स्थानीय निवासियों का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। जल संस्थान की इस लापरवाही से आक्रोशित मोहल्लेवासियों सुशील कुमार, शिव सेवक ओमरे, रामकुमार प्रनामी,सुरेश कुमार, नरेंद्र यादव शिक्षक, वली मुहम्मद, पप्पू ओमरे आदि ने जल्द व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग उठाई है। नागरिकों के अनुसार मोहल्ले में पिछले 2 दिनों से नलों में पानी की एक बूंद तक नहीं आई है। पीने के पानी से लेकर घर के रोज़मर्रा के कामों के लिए लोगों को भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। पानी की व्यवस्था करने के लिए दूर-दराज़ के हैण्डपंपों पर निर्भर होना पड़ रहा है। जिससे उनका पूरा दिन केवल पानी ढोने में ही बीत जाता है। नागरिकों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार स्थानीय प्रशासन और जल निगम के अधिकारियों को शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया जल संस्थान के अवरअभियंता बासित अली ने कहा कि समस्या का जल्द समाधान किया जायेगा

## रक्षाबंधन पर चेयरमैन गायत्री वर्मा ने महिलाओं को बांटी साड़ी और मिठाई

( यंग भारत न्यूज )

**रामपुरा ( जालौन ) ।** रक्षाबंधन के पावन पर्व पर नगर पंचायत रामपुरा की चेयरमैन गायत्री वर्मा ने नगर की महिलाओं एवं बहनों को उपहारस्वरूप साड़ी और मिष्ठान वितरित कर उन्हें रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस दौरान महिलाओं के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। चेयरमैन गायत्री वर्मा ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और आपसी स्नेह का प्रतीक है। यह पर्व परिवार और समाज में प्रेम, सौहार्द एवं भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने सभी बहनों के सुख, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष पूजा शुक्ला ने भी सभी बहनों को रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व है, जो भाई-बहन के रिश्ते को और अधिक मजबूत बनाता है। यह त्योहार प्रेम, विश्वास, सुरक्षा और अपनत्व की भावना का संदेश देता है।

# लगातार घटनाओं के दबाव में चल रही कालपी पुलिस एसपी के गणित से हो गई अपराधियों पर हावी

## -पुलिस ने 24 घंटे में चोरी का किया खुलासा, जेवरात व नकदी समेत आरोपी गिरफ्तार

( यंग भारत न्यूज )

**उरई / कालपी ।** कालपी कोतवाली पुलिस ने चोरी की घटना का 24 घंटे के भीतर सफल अनावरण करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किए गए 18,080 रुपये नकद तथा सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए हैं। बरामद सोने के जेवरात की अनुमानित कीमत करीब 11 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, ग्राम बघौरा निवासी राजेश कुमार ने 26 अगस्त को तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोर उसके घर में रखे जेवरात और रुपये चोरी कर ले गए हैं। मामले में कालपी कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत कालपी पुलिस टीम ने विवेचना के दौरान प्रकाश में आए आरोपी रोहित कुमार पुत्र कैलाश कुमार अहिरवार, निवासी ग्राम बघौक, थाना कालपी, उम्र करीब 24 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसका बड़ा भाई प्रशान्त दिल्ली की सब्जी मंडी में सब्जी का काम करता है। उसके काम में घाटा होने के कारण आरोपी ने मौका पाकर राजेश के घर में घुसकर चोरी की थी। पुलिस ने आरोपी के पास से 18,080 रुपये नकद, पीली धातु के हार, मंगलसूत्र, अंगूठी, कान के टॉप्स, चूड़ियां, अंगूठी व हाथ के आभूषण तथा चांदी के कमरबंद, लच्छा, चूड़ियां, चूड़ा, पायल, तोड़ियां, बिछिया आदि बरामद किए हैं। बरामदगी के संबंध में मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक कालपी मय पुलिस टीम शामिल रही।

## उपजिलाधिकारी की निगरानी में शांतिपूर्ण निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

### सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद

( यंग भारत न्यूज )

माधौगण (जालौन)। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन के अवसर पर आज माधौगढ़ मुख्य मार्ग, रामपुरा, बंगरा, अजीतपुर एवं सरावन क्षेत्र में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। उपजिलाधिकारी माधौगढ़ मनोज प्रकाश व क्षेत्राधिकारी अंबुज कुमार यादव ने पुलिस अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया। रामपुरा नगर में जुलूस काजी-ए-शहर मौलाना जरीफ हन्फी के निर्देशन में हुसैनी मस्जिद से शुरू हुआ और नगर के प्रमुख बाजारों एवं मार्गों से होकर गुजरा। जुलूस में मुस्लिम समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस दौरान पैगंबर साहब की शिक्षाओं, अमन-शांति, आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया गया। जुलूस के दौरान नगर में धार्मिक नारों की गूंज सुनाई देती रही। माधौगढ़ मुख्य मार्ग से लेकर रामपुरा, बंगरा, अजीतपुर और सरावन तक प्रशासन की नजर रही। उपजिलाधिकारी मनोज प्रकाश व क्षेत्राधिकारी अंबुज कुमार यादव जुलूस के साथ मौजूद रहे और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते रहे। पुलिस प्रशासन ने संवेदनशील स्थानों एवं जुलूस के मार्ग पर विशेष सतर्कता बरती। संबंधित थानों के प्रभारी निरीक्षक, थाना अध्यक्ष एवं पुलिस बल सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहा पुलिस बल की मौजूदगी में जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से निकाला गया और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ यातायात व्यवस्था पर भी नजर रखी गई। रामपुरा में नगर भ्रमण के बाद जुलूस वापस जामा मस्जिद पहुंचा, जहां धार्मिक कार्यक्रम के साथ इसका समापन किया गया। कार्यक्रम में अब्दुल अजीज, तोसीब, कारी साहब, मुईन हाफिज, आमीन, नगर अध्यक्ष ओमप्रकाश वर्मा, मंडल अध्यक्ष संतोष प्रजापति, सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

## व्यासपुरा में नून नदी की बाढ़ से जिला मुख्यालय से संपर्क टूटा

( यंग भारत न्यूज )

**उरई ( जालौन ) ।** उरई तहसील क्षेत्र के ब्लॉक डकोर के अंतर्गत आने वाले ग्राम व्यासपुरा में नून नदी का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। नदी में पानी बढ़ने के कारण गांव का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बताया जा रहा है कि नून नदी में अचानक पानी बढ़ने से गांव को जोड़ने वाले मार्ग पर जलभराव हो गया है। इससे ग्रामीणों का मुख्य मार्ग से आवागमन प्रभावित हुआ है और दैनिक जरूरतों के लिए बाहर जाने वाले लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने और आवागमन बहाल कराने की मांग की है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों में भी चिंता का माहौल बना हुआ है ।ग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन तत्काल राहत एवं बचाव की व्यवस्था करते हुए संपर्क मार्ग को सुरक्षित कराया जाए।

## रक्षाबंधन त्यौहार पर बाजार में सर्वाधिक ग्राहकों की मौजूदगी में दुकानें हुई गुलजार

( यंग भारत न्यूज )

**कालपी जालौन 27 अगस्त।** रक्षाबंधन पर्व को लेकर गुरुवार को सुबह से महिलाएं पुरुष लड़कियां युवको आदि ग्राहकों ने रखिया की दुकान तथा कपड़े की दुकान एवं मिष्ठान भंडार में समेत तीनों दुकानों में बढ़ चढकर हिस्सा लेकर अपने मनपसंद रखिया एवं मिठाइयां तथा कपड़े खरीदारी की इतना भी नहीं जरूरतमंद दुकानों के दुकानदारों ने अपने सहयोगियों को लगाकर सामान देने में ज्यादा बात करना मुनासिब नहीं समझते थे आज अंतिम त्यौहार के बाजार में ग्राहकों की चहल कदमी बराबर देखने को मिली त्योहार को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी ने पूरे मार्केट में सर्वाधिक पुलिस बल हर चौराहे में तैनात कर तथा कोबरा पुलिस भी लगाकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे इतना भी नहीं स्वयं में प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ बाजार में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे थे सुरक्षा की दृष्टिगत देखते हुए ग्राहकों ने निर्भीक होकर अपनी पसंद दुकानों में पहुंचकर जमकर खरीदारी की कुछ घंटे में झमाझम बारिश से त्योहार फीका नजर आया वही दुकानदारों के चेहरों में मायूसी छा गई जब बादल कुछ घंटे बाद खुला मौजूद दुकानदार के चेहरे खिल उठे तभी बरसते पानी से बचने के लिए ग्राहक इधर-उधर बैठे थे मौसम साफ होने पर सर्वाधिक भीड़ बाजार में उमड पड़ी मौजूद दुकानदारों ने हंसते हुए अपने माल की बिक्री कर मालामाल हुए मौजूद भीड़ में रक्षाबंधन का पर्व बड़े धूमधाम से मनाने हेतु ग्राहकों की चहल कदमी बराबर बनी हुई नजर आई। फोटो रखिया की दुकान में मौजूद दुकानदार महिलाओं लड़कियों को राखी की बिक्री करते हुए।

## रास्ते में घेरकर धारदार हथियार से हमला करने पर तीन लोग नामजद

( यंग भारत न्यूज )

**कालपी-उरई ।**तहसील कालपी क्षेत्र के ग्राम हरखपुर निवासी रघुवीर सिंह ने आरोप लगाया है कि 23 अगस्त 2026 की शाम करीब सात बजे वह अपनी भाभी वर्मा देवी और पूजा देवी के साथ सिकरी रहमानपुर में आयोजित कार्यक्रम से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान गांव के बाहर रास्ते में आरोपियों मनीष सिंह, तुपार सिंह तथा अंकुश सिंह समेत अन्य लोगों ने उन्हें घेर लिया और धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में रघुवीर सिंह को गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि घटना के बाद हमलावरों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। वादी टको थाना चुर्खी में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

## घर में घुसकर लाखों के जेवरात व नगदी चोरी, पुलिस ने शुरू की जांच

( यंग भारत न्यूज )

**कालपी-उरई।** स्थानीय कालपी क्षेत्र के ग्राम छौंक निवासी राजेश कुमार के घर में बीती रात अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। चोर घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण व नकदी समेत लाखों रुपये का सामान चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी सुबह होने के बाद पीड़ित ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही करने की मांग की है।

उक्त प्रकरण को लेकर वादी राजेश कुमार ने कोतवाली कालपी में मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि 25 अगस्त की रात अज्ञात चोर घर में घुस आए। चोरों ने कमरे में रखे उसकी बेटी और पत्नी के सामान को निशाना बनाया। चोरी गए सामान में चांदी की पायल, सोने का हार, सोने की चार चूड़ियां, एक अंगूठी, चांदी की दो जोड़ी बिछिया, चांदी की चार जोड़ी तोड़ियां, सोने की एक जंजीर, चांदी की तीन चूड़ियां, सोने का एक हाथ, चांदी का एक हाथ, नाती के दो चांदी के छुरा, सोने का मंगलसूत्र तथा कान के सोने के टॉप्स शामिल बताए गए हैं। शिकायत के अनुसार चोरी गए सामान की कीमत करीब तीन लाख रुपये बताई गई है। वादी ने कालपी कोतवाली पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर बिबेचना शुरू कर दी है। उक्त मामले की विवेचना उपनिरीक्षक विपिन कुमार को सौंपी गई है।

## आकाशीय बिजली से विद्युत उपकेंद्रों में ट्रांसफार्मरों व इंसुलेटर क्षतिग्रस्त हुये

### रात में मशक्कत से विद्युत आपूर्ति हुई बहाल

( यंग भारत न्यूज )

**कालपी-उरई।** बीती रात हुई मूसलाधार बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से क्षेत्र के विद्युत उपकेंद्रों में भारी नुकसान हुआ। बिजली की तेज कड़क के चलते 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र कालपी, ऊसरगांव तथा महेवा में तमाम स्थानो में ट्रांसफार्मर तथा इंसुलेटर क्षतिग्रस्त हो गए। सब स्टेशन कीबंद मशीनों से धुआं निकलता दिखाई देने से विद्युत विभाग में भी हड़कंप मच गया। विद्युत विभाग के सूत्रो के मुताबिक आकाशीय बिजली की चपेट में आकर 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र कालपी में 63 केवीए क्षमता के तीन, 250 केवीए का एक तथा 400 केवीए का एक ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हुआ है। इसी प्रकार 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र ऊसरगांव में 10 केवीए का एक, 25 केवीए के 10 तथा 63 केवीए के आठ ट्रांसफार्मर आकाशीय बिजली की चपेट में आए। इसी दौरान 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र महेवा में 25 केवीए क्षमता के सात तथा 100 केवीए क्षमता के दो ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हुए। इसके अलावा कई इंसुलेटर भी खराब हो गए ।उप खंड अधिकारी धर्मेंद्र सिंह सचान के अनुसार आकाशीय बिजली के कारण विद्युत उपकरणों को हुए नुकसान के बाद क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति प्रभावित हो गई। विभागीय कर्मचारियों ने कठिन परिस्थितियों में कड़ी मेहनत करते हुए फाल्ट को दुरुस्त किया और विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी। अवर अभियंता सत्य प्रकाश गौतम ने बताया कि कर्मचारियों की तत्परता से लोगों को लंबे समय तक बिजली संकट का सामना नहीं करना पड़ा।

## जिले में लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित, विधवा महिला का कच्चा मकान ढहा

( यंग भारत न्यूज )

**उरई ।** जिले में करीब 30 घंटे से हो रही लगातार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। नगर और तहसील क्षेत्र के कई गांवों में जलभराव के साथ मकानों और दीवारों के क्षतिग्रस्त होने की घटनाएं सामने आई हैं। बारिश के कारण माधौगढ़ तहसील के ग्राम सिरसा दोगढ़ी में एक विधवा महिला का कच्चा मकान ढह गया, जिससे उसका परिवार मुसीबत में आ गया है।

प्रभावित महिला की पहचान प्रभा देवी, पत्नी स्वर्गीय राजेंद्र दोहरे के रूप में हुई है। वह अपने बच्चों के साथ इसी कच्चे मकान में रहकर जीवन-यापन कर रही थीं। प्रभा देवी मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करती हैं। मकान गिरने के बाद उनके सामने रहने की समस्या खड़ी हो गई है ।प्रभा देवी का कहना है कि उन्हें अब तक किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। उनका परिवार सरकारी आवास सहित अन्य योजनाओं से वंचित है। मकान गिरने के बाद उन्होंने प्रशासन से मदद और रहने के लिए सुरक्षित व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की है ।लगातार बारिश का असर कालपी नगर और तहसील क्षेत्र के अन्य गांवों में भी दिखाई दे रहा है। मुख्य बाजार टरननगंज में विशाल बरगद का पेड़ गिरने से एक मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं मनीगंज बजरिया में पुरानी दीवार ढहने से दो महिलाएं घायल हो गईं ।नगर के मुख्य बाजार टरननगंज स्थित भाटिया मार्केट के पास अवरुद्ध पानी वाले क्षेत्र में सैकड़ों वर्ष पुराना विशाल बरगद का पेड़ भी लगातार बारिश के बीच लोगों के लिए चिंता का कारण बना हुआ है। बारिश के चलते जगह-जगह जलभराव और क्षतिग्रस्त मकानों से लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। लगातार बारिश को देखते हुए स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जलभराव वाले क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य तेज करने तथा क्षतिग्रस्त मकानों का सर्वे कर प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

# रामजानकी मंदिर की दीवार भरभराकर गिरी,कार छतिग्रस्त बडा हादसा टला

( यंग भारत न्यूज )

**कोंच** बीते दो दिन से लगातार हो रही बारिश के चलते गुरुवार सुबह मुहल्ला जवाहर नगर में एक बड़ा हादसा होने से टल गया। जवाहर नगर के रामजानकी मंदिर के बाहर खड़ी एक शिफ्ट कार के ऊपर मंदिर की दीवार अचानक भरभरा कर गिर गई। दीवार के मलबे में दबने से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि हादसे के समय कार के अंदर कोई मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि होने से बच गई।जानकारी के अनुसार शिफ्ट कार संख्या यूपी 92 एएन 5650 रामजानकी मंदिर के बाहर खड़ी थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक बुधवार शाम को कोई व्यक्ति कार को मंदिर के बाहर खड़ा

करके चला गया था। रातभर लगातार बारिश होने के कारण मंदिर की दीवार कमजोर हो गई और गुरुवार सुबह अचानक भरभरा कर कार के ऊपर जा गिरी।दीवार गिरते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंचे लोगों ने देखा कि मलबे के नीचे दबने से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। स्थानीय लोगों ने बताया कि यदि हादसे के समय कार में कोई व्यक्ति बैठा होता तो बड़ा नुकसान हो सकता था।कार चालक छोटी दोहर निवासी दिनेश ने बताया कि अतुल कुमार निवासी धनूताल की गाडी शिफ्ट लेकर बाजार काम से आए थे।घटना के बाद लोगों ने मंदिर की अन्य दीवारों की मजबूती को लेकर भी चिंता जताई है। लगातार बारिश के बीच जर्जर भवनों और कमजोर दीवारों से खतरे की आशंका बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ऐसे स्थानों का निरीक्षण कर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था कराने की मांग की है।

# आरक्षण को आर्थिक आधार पर लागू करने और यूजीसी के काले कानून को वापस लेने की मांग

( यंग भारत न्यूज )

**जालौन-उरई।** आरक्षण हटाओ देश बचाओ अभियान के तहत आरक्षण को आर्थिक आधार पर लागू करने और यूजीसी के काले कानून को वापस लेने की मांग को लेकर सवर्ण समाज ने जुलूस निकाला। विभिन्न संगठनों के संयुक्त नेतृत्व में 'आरक्षण हटाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत सैकड़ों युवाओं ने तिरंगा जुलूस निकाला। नगर में 'आरक्षण आर्थिक आधार पर हो' और 'काला कानून वापस लो' के नारों की गूंज रही।

नगर में सवर्ण समाज के लोग आरक्षण और यूजीसी बिल के विरोध में हाथों में तिरंगा और तख्तियां लेकर नगर के बाजार से होकर निकले। इससे पूर्व बस स्टैंड स्थित गांधी स्मारक पर समाज के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हुए हुए। श्रीराष्ट्रीय राजपूत करणी सेना, भारतीय किसान यूनियन भानू गुट, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संयुक्त नेतृत्व में 'आरक्षण हटाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत सैकड़ों युवाओं ने तिरंगा जुलूस गांधी स्मारक से गांधीजी को माला पहनाकर निकाला।'आरक्षण आर्थिक आधार पर हो' और 'काला कानून वापस लो' के नारों के साथ जुलूस गांधी स्मारक से झंडा चौराहा, फुटकर सब्जी मंडी, बिजलीघर पानी की टंकी के सामने से तहसील होते हुए कांजी हाउस के सामने से देवनगर चौराहा पहुंचा। जहां सरदार पटेल की मूर्ति पर माल्यार्पण कर जुलूस का समापन किया गया। जुलूस में श्रीराष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के जिलाध्यक्ष प्रवेंद्र सिंह सेंगर, भारतीय किसान यूनियन भानू गुट के जिलाध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह तोमर, हाईकोर्ट अधिवक्ता विनय निगम, विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष अनुराग तिवारी, बजरंग दल के नगर संयोजक मानवेंद्र सिंह और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तहसील संयोजक स्वयं गोस्वामी समेत पुष्पा राजावत, राजवीर सिंह राजावत, अभय सिंह राजावत, रजनीश पांडेय, राजेश कुशवाहा, सुशील कुमार, संदीप शर्मा, सुदर्शन शुक्ला, रघुवीर सिंह, अरुण कुमार, अमर दीक्षित, विजय बहादुर सिंह, नरेंद्र सिंह आदि रहे।

# बंबई वाले मंदिर में श्रीकृष्ण व राधाजी के लिए झूला डाला गया

( यंग भारत न्यूज )

**जालौन-उरई।** भगवान शिव की उपासना के पवित्र मास सावन (श्रावण) में जगह जगह धार्मिक आयोजन चल रहे हैं। उरई मार्ग पर स्थित श्रीवीर बालाजी हनुमान मंदिर में भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया गया। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण व राधाजी के लिए झूला डाले गए हैं।

नगर के शिव मंदिरों के साथ भगवान श्रीकृष्ण के मंदिर द्वारिकाधीश मंदिर, नाना महाराज मंदिर, बंबई वाला मंदिर, मुरलीमनोहर मनोहर मंदिर में सावन तीज से भगवान श्रीकृष्ण व राधाजी के लिए झूला डाला गया है। सजे हुए झूला में भगवान को झूला झुलाया जा रहा है। शाम के समय भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। भजन संध्या से मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण भक्ति की रसधार बह रही है। वहीं, पवित्र सावन के मास में नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में शिव की उपासना चल रही है। शिव के भक्त अपने इस्ट को प्रसन्न करने के लिये अपने अपने ढंग से आराधना कर रहे हैं। नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में धार्मिक आयोजन चल रहे हैं। सावन तीज के बाद मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण व राधाजी को झूला झुलाया जा रहा है और भजन संध्या का आयोजन चल रहा है। उरई मार्ग स्थित श्रीवीर बालाजी हनुमान व शिव मंदिर में सावन के प्रारम्भ से रूद्राभिषेक का आयोजन चल रहा है। सुबह, शाम और दोपहर में चल रहे रूद्राभिषेक में बड़ी संख्या में भक्त पहुंच रहे हैं। रुद्राभिषेक करा रहे पंडित अमित तिवारी ने बताया कि रुद्राभिषेक का अर्थ है भगवान रूद्र अर्थात शिव का अभिषेक। सावन के महीने में रुद्राभिषेक का विशेष महत्व है। सावन में सोमवार के दिन भगवान शिव का रुद्राभिषेक करने से साधक को सुख एवं समृद्धि की प्राप्ति होती है। दूध, दही आदि से भगवान शिव का अभिषेक करने से व्यक्ति के जीवन में आ रहे कष्ट दूर होने लगते हैं। पंचामृत से भी महादेव का रुद्राभिषेक कर सकते हैं।

# बारिश के चलते दो मकान हुए धराशाई, गृहस्थी का सामन दबकर हुआ खुर्द बुर्द

( यंग भारत न्यूज )

**कोंच** नगर व ग्रामीण क्षेत्र में गुरुवार दोपहर लगातार पिछले दो दिनों से हो रही बारिश के चलते दो मकान गिरकर धराशायी हो गए। हादसों में मकानों के अंदर रखा गृहस्थी का सामान दबकर खराब हो गया। गनीमत रही कि दोनों घटनाओं में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। पीड़ित परिवारों ने शासन-प्रशासन से आर्थिक सहायता दिलाए जाने की मांग की है।जानकारी के अनुसार नगर के गांधी नगर में सिंह भवानी मंदिर के पास रहने वाले नरेंद्र कुमार वर्मा का कच्चा मकान लगातार हो रही बारिश के चलते अचानक भरभराकर गिर गया।बताया गया नरेंद्र कुमार वर्मा मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं और एक दुकान पर मजदूरी का काम करते हैं। मकान गिरने के समय परिसर में जानवर भी बंधे हुए थे, लेकिन वह सभी सुरक्षित बच गए। मकान गिरने से घर में रखा गृहस्थी का सामान मलबे में दब गया और काफी नुकसान हो गया।वहीं दूसरी घटना तहसील क्षेत्र के ग्राम रवा की बताई जा रही है। यहां बारिश के कारण नीरज कुमार निवासी रवा और वीरसिंह का मकान भी गिर गया। मकान गिरने से दोनों परिवारों के घर-गृहस्थी का सामान मलबे में दब गया, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।लगातार बारिश के कारण कच्चे और छप्पर वाले मकानों पर खतरा बढ़ गया है। ग्रामीण और नगर क्षेत्र में ऐसे मकानों में रहने वाले परिवारों को अपने आशियाने गिरने की चिंता सताने लगी है। पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से मौके का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन कराने तथा शासन की ओर से नियमानुसार मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है।

# संदिग्ध परिस्थितियों के चलते युवक ने फांसी लगाकर दी जान

( यंग भारत न्यूज )

**जालौन-उरई।** इकलौते बेटे ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जगनेवा निवासी शिवम (23) रात में खाना खा पीकर कमरे में सोया था। रात में ही किसी समय वह उठा और कमरे में टंगी बल्ली में रस्सी फंसाकर उसने वह फांसी का फंदा गले में डालकर उस पर लटक गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सुबह जब पिता राघवेंद्र ने उसे बिस्तर पर नहीं देखा तो उसको ढूंढना शुरू किया। कमरे में देखने पर उसका शव फांसी के फंदे पर लटका देख पिता के मुंह से चीख निकल गई। आवाज सुनकर घर और आसपास के लोग एकत्रित हो गए। जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से उतवारकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस से पूछतांछ में पिता राघवेंद्र ने बताया कि वह उनका इकलौता बेटा था। रात में सब सही था। उसने खाना भी खाया। फिर पता नहीं क्यों उसने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। कोतवाल हरिशंकर चंद ने बताकि शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। पोस्टमॉर्ब्टम रिपोर्ट आने पर जो उचित होगा कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इकलौते बेटे की मौत से पिता रो रोकर बेहाल है।

# ग्राम पंचायत खैरावर व्योना रियासत में श्मशान घाट न होने से भडके ग्रामीण

## प्रधान के दरबाजे पर शव रखकर किया प्रदर्शन

( यंग भारत न्यूज )

**कोंच** तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत खैरावर व्यौना रियासत में श्मशान घाट की व्यवस्था नहीं होने से गुरुवार सुबह ग्रामीणों का आक्रोश उस समय सामने आ गया, जब अंतिम संस्कार के लिए परेशान ग्रामीण मृतक के शव को ट्रैक्टर में रखकर ग्राम प्रधान के घर पहुंच गए। दर्जनों ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान के दरवाजे पर शव रखकर जमकर नारेबाजी की और गांव में श्मशान घाट की व्यवस्था कराने की मांग उठाई।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में श्मशान घाट नहीं होने के कारण किसी की मौत होने पर अंतिम संस्कार के लिए दूसरे गांव जाना पड़ता है। इससे ग्रामीणों और मृतक के परिजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या को लेकर ग्रामीणों में लंबे समय से नाराजगी बनी हुई है।मृतक के शव को प्रधान के घर के बाहर रखकर प्रदर्शन किए जाने की सूचना से गांव में हड़कंप मच गया। मृतक के परिजनों ने मामले की जानकारी एसडीएम अभिनव कुमार को फोन पर दी। सूचना के बाद परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए दूसरे गांव के श्मशान घाट ले गए।वही ग्रामीणो का कहना है कि गांव में श्मशान घाट न होने के कारण काफी परेशानी होती है।ग्रामीणो ने प्रशासन से गांव में श्मशान घाट बनाए जाने की मांग की है।

# लगातार हो रही है बारिश के चलते खेत हुए जलमग्न

## किसानों की बढ़ी चिंता, खरीफ की फसलों को बढ़ा खतरा

( यंग भारत न्यूज )

**जालौन-उरई।** लगातार हो रही है बारिश के चलते खेत जलमग्न है। लगातार पानी बरसने के कारण आसपास के गांवों में किसानों को बोई गई फसल के खराब होने की आशंका सताने लगी है। खेत में पानी भरे रहने के कारण आगली फसल की बुआई भी प्रभावित हो सकती है।

पिछले कुछ दिनों से अच्छी बारिश हो रही है। सावन के महीने में बारिश को लेकर किसान खुश थे कि उनके द्वारा खेतों में बोई गई बाजारा, तिल, मक्का, ज्वार, मूंगफली की फसल अच्छी होगी जिससे उन्हें मुनाफा होगा। लेकिन लगातार हो रही बारिश व समतल खेतों से पानी की निकासी की व्यवस्था न होने के कारण मौजा अकोढ़ी दुबे, गायर, सुढ़ार सालाबाद व गायर समेत आसपास खेत पानी से लबालब भरे हुए हैं। खेतों में पानी भरे रहने के कारण खेतों में खड़ी फसल सड़ने लगी है। कम लागत में तैयार होने वाली तिल की लहलहाती फसल को देखकर जिन किसानों के चेहरे खुश दिख रहे थे। अब जब फसल पानी में सड़ने लगी है तो उनके चेहरे पर चिंता की लकीरें दिखने लगी है। अपनी आंखों के सामने खराब होती फसल को देखकर किसान परेशान हैं। खेतों से पानी की निकासी न होने के कारण अगली फसल की बुआई भी प्रभावित हो सकती है। इस फसल के खराब होने के बाद अगली फसल को समय से बुआई के लिए चिंतित किसानों संजीव द्विवेदी, राजीव द्विवेदी, प्रखर द्विवेदी, मेघा द्विवेदी, हेमवती नंदन, विवेक निरंजन, महेन्द्र पाल, दिलीप विश्वकर्मा, प्रदीप निरंजन, शिवपाल सिंह, रामकुमार बाथम ने डीएम से खेतों के पानी की निकासी के लिए नाली बनवाने की मांग की है जिससे भविष्य में किसानों की खेत भरने के कारण फसल बर्बाद न हो सके। किसानों ने नष्ट हो रही फसलों का मुआवजा दिलाने की भी मांग की है।

# नाले में पानी बढ़ने से रपटा से एक मीटर ऊपर बह रहा है पानी

( यंग भारत न्यूज )

**जालौन-उरई।** विकासखंड के ग्राम प्रतापपुरा और माहिया खास के बीच मलंगा नाले पर बना रपटा इन दिनों ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। नाले में पानी बढ़ने से रपटा के ऊपर एक मीटर से अधिक पानी बह रहा है। इसके चलते आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। आसपास के भदवा, जीपुरा, सहाव और सींगपुरा गांवों के लोग भी इस रास्ते से माहिया होते हुए तहसील मुख्यालय नहीं पहुंच पा रहे हैं।

जालौन से ग्राम प्रतापपुरा व महिया के बीच मलंगा नाले से होकर निकलने के लिए रपटा पुल बना हुआ है। लगातार बारिश के चलते मलंगा का जलस्तर बढ़ गया है। पुल के लगभग एक मीटर ऊपर तक पानी आ गया है। जिससे रपटा से होकर आवागमन बंद हो गया। ग्रामीणों को अब तहसील मुख्यालय पहुंचने के लिए चार से पांच किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा है। वहीं, माहिया खास के ग्रामीणों की समस्या और गंभीर है। गांव का यह प्रमुख संपर्क मार्ग बंद होने से बाजार, अस्पताल और जरूरी कामों के लिए ग्रामीणों को करीब सात-आठ किलोमीटर का अतिरिक्त रास्ता तय करना पड़ रहा है। कमलेश, अशोक, महेंद्र सिंह, राजकुमार आदि का कहना है कि मलंगा नाले पर बना यह रपटा हर वर्ष बारिश के दौरान जलस्तर बढ़ने से डूब जाता है। इसके कारण माहिया खास समेत आसपास के गांवों का संपर्क प्रभावित होता है। ग्रामीण लंबे समय से रपटा को ऊंचा कराने की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन समस्या का स्थाई समाधान नहीं हो सका है। यदि बारिश के दौरान गांव में किसी व्यक्ति की तबीयत बिगड़ जाए या कोई अन्य आपात स्थिति उत्पन्न हो जाए तो समय पर अस्पताल पहुंचना मुश्किल हो सकता है। ग्रामीणों ने डीएम समेत जनप्रतिनिधियों से प्रतापपुरा-माहिया खास के बीच मलंगा नाले पर बने रपटा के स्थान पर ऊंचा पुल बनवाने की मांग की है।

# एनएसएस के माई भारत पोर्टल पर जिले का एकमात्र सूचीबद्ध महावि?द्यालय हुआ बद्रीप्रसाद

( यंग भारत न्यूज )

**कोंच** शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने वाले महेशपुरा रोड स्थित नगर के एक मात्र सेठ बद्री प्रसाद स्मृति महावि ?द्यालय ने एक बार फिर जिले में अपना मान बढ़ाते हुए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।एनएसएस के माई भारत पोर्टल पर जिले का एकमात्र सूचीबद्ध महावि ?द्यालय बनकर संस्थान ने अपनी उपलब्धियों में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ दिया है। इस उपलब्धि से महाविद्यालय परिवार में हर्ष एवं उत्साह का माहौल है। महाविद्यालय के कोऑर्डिनेटर कन्हैया नीखर ने बताया कि यह उपलब्धि कोई संयोग नहीं, बल्कि निरंतर मेहनत, अनुशासन, समर्पण, बेहतर प्रबंधन और वि ?द्यार्थियों को नई दिशा देने की सोच का परिणाम है। संस्थान ने शिक्षा को केवल कक्षाओं तक सीमित न रखते हुए विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकारों, युवा गतिविधियों, नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का निरंतर प्रयास किया है।इस अवसर पर कार्यवाहक प्राचार्य बृजेंद्र सिंह निरंजन, फार्मेसी विभागाध्यक्ष डॉ मनोज कुमार पटेल, डॉ सत्य प्रकाश, तैय्याबा सिद्दीकी, मुहम्मद उवैस, नरसिंह विभाग से जया, सरोज, राम, हास्पिटल अधीक्षक डॉ आरडी सिंह, डॉ शिवम सिंह, आईटीआई विभाग से इंजी संतोष रायकवार, प्रदीप कुशवाहा, सहित राधेश्याम पटेल, धर्मेंद्र पटेल, राघवेंद्र पटेल, मनोज श्रीवास्तव, दिनेश बाबू गामा, अनूप, विवेक, राजकुमार गुप्ता, संदीप, संजय आदि उपस्थित रहे।

# यूएस ओपन : मिक्स्ड डबल्स में सेरेना-अल्काराज की जोड़ी का सफर समाप्त

न्यूयॉर्क

सेरेना विलियम्स और कार्लोस अल्काराज का यूएस ओपन मिक्स्ड डबल्स का सफर क्वार्टरफाइनल में फ्लेवियो कोबोली और बेलिंडा बेनसिक से हारकर समाप्त हो गया। विलियम्स और अल्काराज की जोड़ी को 5-4(4), 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। विलियम्स और अल्काराज ने शुरुआत में कई गलतियां कीं, जिससे कोबोली और बेनसिक को फायदा मिला।

कोबोली ने टाई-ब्रेक में अपना दम दिखाया और ऐस लगाकर पहला सेट अपने नाम कर लिया। स्विस-इटैलियन जोड़ी दूसरे सेट में और भी जबरदस्त नजर आई। उन्होंने बिना किसी गलती के जीत हासिल की और अमेरिकी-स्पेनिश जोड़ी के सफर को समाप्त कर दिया। कोबोली और बेनसिक का सेमीफाइनल में एलिना स्वितोलिना और गेल मोनफिल्स के खिलाफ मुकाबला होगा।

## क्वार्टरफाइनल में कोबोली और बेलिंडा से हारी दिग्गज जोड़ी




### अल्काराज ने की शुरुआती थकान दूर

अल्काराज, जो चोट की वजह से अप्रैल से नहीं खेले थे, ने अपनी शुरुआती थकान को दूर किया और मैचिंग रॉयल पर्पल कपड़ों में कोर्ट पर गले मिलने से पहले फोरहैंड विनर से शुरुआती राउंड की जीत पक्की कर ली। विलियम्स ने कहा, यहां होना हमेशा शानदार है। मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी कि मैं इस कोर्ट पर वापस आ पाऊंगी।

## सेमीफाइनल में पति-पत्नी की जोड़ी

एलिना स्वितोलिना और गेल मोनफिल्स दोनों यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में कभी खिताब नहीं जीत पाए हैं लेकिन इस बार हो सकता है कि यह विवाहित जोड़ा एक साथ कोई ट्रॉफी जीत सके। पति-पत्नी की यह जोड़ी कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर फ्रिट्ज को 5-4 (6), 4-5 (3) (10-8) से हराकर मिश्रित युगल सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। सेमीफाइनल में स्वितोलिना और मोनफिल्स का मुकाबला बेनसिक और कोबोली से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में मिरा एंड्रीवा और एंड्री रुबलेव का सामना कैरोलिना मुचोवा और नोवाक जोकोविच से होगा। विजेता टीम को 10 लाख डॉलर मिलेंगे। संन्यास लेने से पहले अपने आखिरी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खेल रहे मोनफिल्स के लिए यह एक शानदार तोहफा होगा, जिसे वह अपनी पत्नी के साथ साझा कर सकेंगे।

---

## खबर संक्षेप

### डब्ल्यूसीएल का तीसरा सत्र 3 अक्टूबर से

नई दिल्ली। 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स' (डब्ल्यूसीएल) के तीसरे सत्र का आयोजन 3 से 18 अक्टूबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया जाएगा। पहली बार यह टूर्नामेंट ब्रिटेन से से बाहर आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट को यूएई में स्थानांतरित करने के साथ आयोजकों का लक्ष्य वैश्विक स्तर पर बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंच बनाना है, साथ ही उन्होंने तीसरे चरण में अधिक दिग्गज खिलाड़ियों, रोमांचक प्रतिद्वंद्विताओं और मनोरंजन का वादा किया है। 'लीजेंड्स' क्रिकेट लीग के तीसरे सत्र में कई पूर्व अंतरराष्ट्रीय सितारे हिस्सा लेने वाले हैं। इनमें युवराज सिंह, एबी डिविलियर्स, ड्वेन ब्रावो, शाहिद अफरीदी, मोईन अली, डेविड वॉर्नर और मोहम्मद महमूदुल्लाह शामिल हैं। डब्ल्यूसीएल ने तीसरे सत्र के लिए बांग्लादेश चैंपियंस को शामिल करके अपनी अंतरराष्ट्रीय भागीदारी का भी विस्तार किया है।

### क्वार्टर फाइनल में चोटरानी और सेंथिलकुमार

नई दिल्ली। भारत के वीर चोटरानी और वेलवन सेंथिलकुमार हंगरी की राजधानी में चल रहे 43,500 अमेरिकी डॉलर इनामी पीएसए कॉपर टूर्नामेंट बुडापेस्ट स्क्वाश ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। विश्व में 34वें नंबर के खिलाड़ी और यहां तीसरी वरीयता प्राप्त चोटरानी ने पहले दौर में बाई मिलने के बाद प्री-क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल के रुई सोरेस को 13-11, 12-14, 11-9, 12-10 से हराया। विश्व रैंकिंग में 54वें स्थान पर काबिज और यहां आठवीं वरीयता प्राप्त सेंथिलकुमार ने जर्मनी के पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी राफेल कंद्रा को 11-9, 6-11, 11-7, 11-2 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। इससे पहले उन्होंने पहले दौर में ब्रिटेन के खिलाड़ी विल सालटर को 11-9, 11-6, 11-5 से पराजित किया था।

### जीसीटी ग्रैंड फिनाले में प्रज्ञानानंदा को कारुआना से मिली हार

सेंट लुइस (अमेरिका)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को यहां ग्रैंड चेस टूर के ग्रैंड फिनाले की पहली बाजी में अमेरिका के दिग्गज खिलाड़ी और टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार फैबियानो कारुआना से हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंदा शुरुआत से ही अपनी लय में नजर नहीं आए। कारुआना ने धीरे-धीरे उन पर दबाव बनाया और बाजी अपने पक्ष में कर ली। मुकाबला 48 चालों तक चला। क्लासिकल बाजी जीतने पर छह अंक मिलते हैं इसलिए कारुआना ने शुरुआत में ही बड़ी बढ़त बना ली है। अब देखना होगा कि दुनिया के मौजूदा तीसरे नंबर के खिलाड़ी कारुआना के खिलाफ प्रज्ञानानंदा किस तरह वापसी करते हैं। दो क्लासिकल गेम के बाद दो रैपिड गेम खेले जाएंगे जिनमें प्रत्येक जीत के लिए चार अंक मिलेंगे।

---

## कोलंबो टेस्ट : पहली पारी में श्रीलंका 290 रन पर ऑलआउट

# फॉलोऑन खेलने उतरी श्रीलंकाई टीम ने गंवाए 6 विकेट, जीत के करीब भारत

कोलंबो

श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने कुछ समय तक डटकर मुकाबला किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने सही समय पर विकेट लेकर बुधवार को दूसरे और अंतिम टेस्ट के चौथे दिन मेजबान टीम के दूसरी पारी में स्टंप तक 229 रन तक 6 विकेट झटक लिए।

स्टंप तक सोनल दिनुषा 7 और केशारा नुवांथा 3 रन बनाकर क्रीज पर थे। जैसा कि अब इस मैच में आम हो गया है, शाम को बारिश और खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ा। अब भारत की कोशिश होगी कि पांचवें दिन मैच और सीरीज दोनों अपने नाम कर ले।

### भारतीय गेंदबाजों का दबदबा

भारतीय गेंदबाजों के दबदबे से पहले पाथुम निसंका (92) और कामिंदु मेंडिस (56) के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 115 रन की साझेदारी श्रीलंका की वापसी का मुख्य आधार रही। सुरियाबंडारा और मेंडिस ने एक छोर संभाला तब श्रीलंका 63 रन तक दो विकेट खोकर जूझ रहा था। इन दोनों ने अगले 110 मिनट तक भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया। इस साझेदारी ने श्रीलंका को पहली पारी में 233 रन से पिछड़ने के बाद फॉलोऑन की स्थिति से उबरने में मदद की। हालांकि, उस दौरान श्रीलंका का प्रदर्शन पहली पारी की तुलना में काफी बेहतर था। पहली पारी में टीम 290 रन पर ऑलआउट हो गई थी और फॉलोऑन के स्कोर से सिर्फ 13 रन दूर रह गई थी।



### दिनुशा ने लगाया श्रृंखला का अपना दूसरा शतक

सोनल दिनुषा ने श्रृंखला का अपना दूसरा शतक लगाते हुए 113 रन की पारी खेली थी। लेकिन सुरियाबंडारा और मेंडिस की साझेदारी की वजह से मैच पांचवें दिन तक खिंच गया जबकि उन्होंने दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज लाहिरू उदारा और कमिल मिशारा के विकेट जल्दी गंवा दिए थे। इन दोनों की साझेदारी बिल्कुल भी रक्षात्मक नहीं थी। दोनों बल्लेबाजों ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाया। मेंडिस ने मानव सुथार की गेंदों पर दो छक्के जड़े और बाएं हाथ के स्पिनर को हावी होने का बिल्कुल भी मौका नहीं दिया। फिर सुरियाबंडारा ने भी सुथार की गेंद पर स्लॉग-स्वीप करते हुए एक छक्का लगाया। इस सीरीज में पहली बार युवा स्पिनर सुथार संघर्ष करते नजर आए। मेंडिस ने प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद को पुल करते हुए चौका लगाकर 57 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके कुछ ही समय बाद ही सुरियाबंडारा ने भी 78 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया।

#### डाइव लगाते समय चोटिल हुए सिराज

इस दौरान भारत के लिए चिंता की बात भी हुई क्योंकि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज कैच लेने के लिए डाइव लगाते समय चोटिल हो गए। उन्हें चिकित्सा सहायता के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा, लेकिन कुछ समय बाद वह वापस लौट आए। दूसरे सत्र में सिराज ने छोटे रन-अप के साथ गेंदबाजी की। तीसरे दिन विकेटकीपिंग से दूर रहने के बाद वापस जिम्मेदारी संभालने वाले पंत भी कई मौकों पर विकेट के काफी करीब खड़े होकर विकेटकीपिंग करते नजर आए।

#### दिन के अंतिम सत्र ने बदला मैच का पूरा रुख

श्रीलंका ने चाय तक अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट पर 199 रन बना लिए थे जिससे उसे पारी की हार से बचने के लिए महज 14 रन की दरकार थी। लेकिन दिन के अंतिम सत्र ने मैच का पूरा रुख बदल दिया और भारत ने तीन विकेट झटक लिए। तनजाब धानंजय डी सिल्वा सबसे पहले आउट हुए। वह सुथार की गेंद पर देवदत्त पडिक्कल के हाथों में लपके गए। सुरियाबंडारा अपने पहले टेस्ट शतक की ओर बढ़ते दिख रहे थे, लेकिन एक गलत फैसले ने उनकी पारी का अंत कर दिया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने सुथार की गेंद पर आगे निकलकर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की। फिर सुथार ने इस हरकत को भांपते हुए बाहर की ओर गेंद डाली और पंत ने उनकी गिल्लियां बिखेरने में देर नहीं की। इस तरह सुरियाबंडारा 82 रन पर स्टंप आउट हो गए।

## सेरेना और वीनस फिर साथ खेलेंगी युगल मुकाबला

न्यूयॉर्क



सेरेना और वीनस विलियम्स एक बार फिर साथ में टेनिस कोर्ट पर उतरेंगी और दोनों बहनें अमेरिकी ओपन में युगल मुकाबला खेलेंगी। दोनों को बुधवार को इस टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड मिला है। वे इससे पहले दो बार अमेरिकी ओपन का युगल खिताब जीत चुकी हैं। सेरेना विलियम्स ने चार साल के ब्रेक के बाद इन गर्मियों में टेनिस में वापसी की है। दोनों बहनों को विम्बलडन में भी साथ खेलना था, लेकिन सेरेना को एकल मैच में घुटने में चोट लग गई जिसके कारण उन्हें नाम वापस लेना पड़ा। इसके बाद दोनों सिनसिनाटी ओपन में साथ में खेलीं लेकिन पहले ही दौर में हार गईं। विलियम्स बहनों ने 1999 और 2009 में अमेरिकी ओपन का युगल खिताब जीता था। अमेरिकी ओपन में उनका कुल जीत-हार का रिकॉर्ड 27-7 है। सेरेना (44 वर्ष) मंगलवार को कार्लोस अल्काराज के साथ मिश्रित युगल भी खेलीं। उन्होंने एक मैच जीता, लेकिन क्वार्टर फाइनल में हार गईं। वीनस (46 वर्ष) अमेरिकी ओपन के महिला एकल मुकाबले में भी हिस्सा लेंगी।

- दोनों को बुधवार को इस टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड मिला है।

## पुणे मेयर्स ट्रॉफी बैडमिंटन में पांच वरीयता प्राप्त खिलाड़ी उलटफेर का शिकार

भाषा ▸▸। पुणे

पुणे मेयर्स ट्रॉफी इंडिया जूनियर अंतरराष्ट्रीय ग्रां प्री बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दिन बुधवार को यहां लड़कों और लड़कियों के वर्ग के दूसरे दौर में पांच बड़े उलटफेर देखने को मिले। लड़कियों के एकल में आदर्शिनी श्री भूपति बालाजी ने छठी वरीय राधा गाडगिल को 21-12, 21-10 से हराकर आसान जीत दर्ज की। धीशिता सिंपा गोपीनाथ ने सातवीं वरीय हसना श्री मल्लवरपु के कड़े मुकाबले में 19-21, 21-14, 13-8 के स्कोर पर मुकाबले से हटने पर अगले दौर में जगह बनाई। लड़कों के एकल में गैरवरीय पोरिन सेठ ने नौवें वरीय अश्विन लेनिन मुथुराज को 21-10, 10-21, 21-10 से हराया। वहीं, कृष्ण दुबे ने शानदार वापसी करते हुए 12वें वरीय आरुष पावसकर को 17-21, 21-12, 21-18 से शिकस्त दी। लड़कों के वर्ग में तीसरे उलटफेर में हार्दिक दिव्यांश ने 14वें वरीय कार्तिक सुहास को 21-11, 21-16 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया।

---

## दलीप ट्रॉफी

# नॉर्थ जोन ने सेमीफाइनल में बनाई जगह, अब साउथ जोन से मुकाबला

बेंगलुरु

जम्मू और कश्मीर के बाएं हाथ के स्पिन-गेंदबाज ऑलराउंडर आबिद मुश्ताक ने नॉर्थ जोन के लिए खेलते हुए बेहतरीन गेंदबाजी की। उन्होंने मैच में 99 रन देकर 9 विकेट लेते हुए नॉर्थ जोन की वेस्ट जोन के खिलाफ जीत में बड़ी भूमिका निभाई। बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले गए दलीप ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल मुकाबले में नॉर्थ जोन ने रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली वेस्ट जोन को 52 रन से हरा दिया। चौथी पारी में वेस्ट जोन को जीत के लिए 287 रन की आवश्यकता थी, लेकिन वेस्ट जोन की पारी 234 रन पर सिमट गई और 52 रन से मैच हार गई। सेमीफाइनल में नॉर्थ जोन का मुकाबला साउथ जोन से होगा। मैच 30 अगस्त से 2 सितंबर तक बीसीसीआई सीओई ग्राउंड 2 में खेला जाएगा।

### आबिद मुश्ताक चुने गए प्लेयर ऑफ द मैच

वेस्ट जोन की पहली पारी 287 रन पर सिमट गई थी। सर्वाधिक 52 रन अनमोल मलहोत्रा ने बनाए थे। नॉर्थ जोन के लिए आबिद मुश्ताक ने 5, अर्शदीप सिंह ने 3 और अकुल कंबोज ने 2 विकेट लिए थे। नॉर्थ जोन की दूसरी पारी 222 रन पर सिमट गई। आयुष बडोनी ने 50, विवांत संधू ने 44 और अब्दुल समद ने 30 रन की पारी खेली थी। वेस्ट जोन के लिए तनुष कोटियन और तुषार देशपांडे ने 4-4 विकेट लिए। मुशीर खान ने 2 विकेट लिए थे। पहली पारी में मिली 64 रन की बढ़त के आधार पर नॉर्थ जोन ने वेस्ट जोन को जीत के लिए 287 रन का लक्ष्य दिया था।

### वेस्ट के 6 विकेट 24 रन पर गिरे

मुशीर खान 56 और कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के 66 के अलावा कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर नहीं टिका। वेस्ट ने अपने आखिरी 6 विकेट अंतिम 24 रन के अंदर गंवाए। नॉर्थ जोन के लिए आबिद मुश्ताक ने 4, विवांत संधू ने 2 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह, अकुल कंबोज और मुकेश कुमार ने 1-1 विकेट लिया। मैच पर नजर डालें तो नॉर्थ जोन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 251 रन बनाए थे। नॉर्थ जोन पर आकर अकुल कंबोज ने सर्वाधिक 80 रन की पारी खेली थी। आयुष बडोनी ने 52 रन बनाए थे। वेस्ट जोन के लिए तनुष कोटियन और तुषार देशपांडे ने 4-4, जबकि मुकेश चौधरी और शार्दुल ठाकुर ने 1-1 विकेट लिए थे।

## टॉप्स में शामिल सिंड्रेला और पायस



नई दिल्ली। एशियाई खेलों के भारतीय टीम में चुनी गई युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी सिंड्रेला दास और पायस जैन को खेल मंत्रालय के टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के विकास समूह में शामिल किया गया है। इसके अलावा सीनियर खिलाड़ी मनिका बत्रा के अगले महीने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए धनराशि के अनुरोध को भी मंजूरी दे दी गई है। कोलकाता की रहने वाली 17 वर्षीय सिंड्रेला ने इस साल की शुरुआत में थाईलैंड में एशियाई युवा चैंपियनशिप में लड़कियों के युगल में रजत पदक और लड़कियों के एकल में कांस्य पदक जीता था। परंतु स्तर पर नहीं खेलने के कारण मनिका को एशियाई खेलों की टीम से बाहर कर दिया गया था। उन्हें सितंबर में बुल्गारिया और कजाकिस्तान में होने वाले डब्ल्यूटीटी कंटेंडर टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) से धनराशि मिलेगी।

# मयंक और प्रतीति ने जीता एशियाई जूनियर क्लासिकल शतरंज का खिताब

मुंबई




भारत के मयंक चक्रवर्ती और प्रतीति बोरदोलोई ने एशियाई जूनियर क्लासिकल शतरंज चैंपियनशिप में क्रमशः ओपन और लड़कियों के वर्ग का खिताब जीता। शीर्ष वरीयता प्राप्त मयंक ने नौ राउंड की ओपन चैंपियनशिप में 7.5 अंक हासिल करके स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

रूस के आर्टेम पिंगिन ने सात अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि भारत के दक्ष गोयल ने 6.5 अंक बनाकर कांस्य पदक जीता। प्रतीति ने 9 राउंड में 7.5 अंक हासिल करके लड़कियों के वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को दोहरी सफलता दिलाई। कजाकिस्तान की मारिया खोल्याव्को उनसे आधा अंक पीछे रहकर रजत पदक जीतने में सफल रहीं, जबकि निवेदिता वीसी ने 6.5 अंक लेकर कांस्य पदक जीता। ओपन चैंपियन मयंक ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर एक और ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया।

कांस्य पदक विजेता दक्ष गोयल फिडे मास्टर बने। उन्होंने इंटरनेशनल मास्टर नॉर्म भी हासिल किया। महिला चैंपियन प्रतीति ने महिला इंटरनेशनल मास्टर का खिताब भी अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने महिला ग्रैंडमास्टर नॉर्म भी हासिल किया।

## एशियाई खेल : 28 सितंबर को अपना अभियान शुरू करेगी भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम

# सीधे क्वार्टर फाइनल से दहाड़ने को तैयार भारतीय क्रिकेट टीमें

नई दिल्ली

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम जापान में होने वाले एशियाई खेलों में 28 सितंबर से अपने अभियान की शुरुआत करेगी जबकि महिला टीम 18 सितंबर को मेजबान जापान के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी।

भारत की पुरुष और महिला दोनों टीमें वरीयता प्राप्त हैं और सीधे क्वार्टर फाइनल से अभियान शुरू करेंगी। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पुरुष टीम और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली महिला टीम नागोया के पास कोरोगी एथलेटिक पार्क में होने वाली इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार हैं।

### महिला टीम 18 सितंबर को जापान के खिलाफ खेलेगी अपना पहला मुकाबला



### पुरुष क्रिकेट में भाग ले रहीं 10 टीमें

भारतीय टीम टूर्नामेंट में सीधा क्वार्टर फाइनल राउंड में उतरेगी। दरअसल, एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट में कुल 10 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें से 4 टीमों को बेहतर आईसीसी रैंकिंग के कारण डायरेक्ट क्वार्टर फाइनल का टिकट दिया गया है। इस लिस्ट में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका का नाम शामिल है। वहीं, अफगानिस्तान, जापान, नेपाल, हांगकांग, मलेशिया और ओमान ग्रुप स्टेज में खेलेंगी।

### भारत ने पिछले सत्र में जीता था स्वर्ण पदक

भारत ने पिछले सत्र में दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीते थे। महिला वर्ग में भारत के क्वार्टर फाइनल प्रतिद्वंद्वी का फैसला पहले ही हो चुका है जबकि पुरुष टीम का सामना ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से होगा। ग्रुप ए में अफगानिस्तान, जापान और नेपाल शामिल हैं। महिला वर्ग का फाइनल 22 सितंबर को जबकि पुरुष वर्ग का खिताबी मुकाबला तीन अक्टूबर को खेला जाएगा। पुरुष वर्ग में भारत के अलावा बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका को वरीयता दी गई है। महिला वर्ग में कुल आठ टीमों को वरीयता दी गई है, जिसमें भारत भी शामिल है।

फैटी लिवर अब केवल बड़ों की बीमारी नहीं रह गई है। आजकल बच्चों और किशोरों में भी नॉन-अल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इस बारे में प्रिकॉशन बरतने की बहुत जरूरत है।

# अनहेल्दी डाइट-इनएक्टिव लाइफस्टाइल
# बच्चों में बढ़ा रहा फैटी लिवर

हेल्थ सजेशन
डॉ. अमित गुप्ता
सीनियर कंसल्टेंट
पीडियाट्रिशियन एंड नियोनेटोलॉजिस्ट
मदरहुड हॉस्पिटल, नोएडा

यह चिंताजनक है कि भारतीय बच्चों में फैटी लिवर की समस्या तेजी से बढ़ रही है। बहुत मोटापा, प्रोसेस्ड और ज्यादा चीनी वाले खाद्य पदार्थों का सेवन, मीठे पेय पदार्थ, व्यायाम की कमी और लंबे समय तक स्क्रीन देखने की आदत इसके मुख्य कारण हैं। पिछले कुछ वर्षों में बच्चों में फैटी लिवर के मामलों में स्पष्ट वृद्धि देखी गई है। अधिक वजन वाले लगभग हर पांच में से एक बच्चे में फैटी लिवर के लक्षण हो सकते हैं।

**समस्या के कारण-लक्षण:** इसके शुरुआती चरण में आमतौर पर कोई लक्षण नहीं दिखते, लेकिन कुछ बच्चों में थकान, पेट में असहजता या अचानक वजन बढ़ने जैसी शिकायतें हो सकती हैं। समय पर इलाज और जीवनशैली में बदलाव से इस बीमारी को बढ़ने से रोका जा सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, फैटी लिवर का संबंध बचपन के मोटापे से काफी गहरा है। इसके साथ ही हाई ब्लड शुगर, बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं भी देखने को मिल सकती हैं। यह जरूरी नहीं कि केवल मोटे बच्चों को ही फैटी लिवर हो। कई बार सामान्य दिखने वाले बच्चों में भी पेट के आस-पास अतिरिक्त चर्बी, खराब खान-पान और कम शारीरिक गतिविधि के कारण यह समस्या हो सकती है।

**जीवनशैली में सुधार जरूरी:** बच्चों में फैटी लिवर के लिए कोई विशेष दवा उपलब्ध नहीं है। इसका सबसे प्रभावी इलाज संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना है। अच्छी बात यह है कि यदि बीमारी का पता शुरुआती चरण में चल जाए तो इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। बच्चों को रोज कम से कम 60 मिनट शारीरिक गतिविधि या खेलकूद के लिए प्रोत्साहित करें। पर्याप्त नींद और सीमित स्क्रीन टाइम भी बेहद जरूरी है।

**बच्चों की डाइट हो सही:** फैटी लिवर की रोकथाम घर से शुरू हो सकती है। माता-पिता बच्चों को फल, सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन युक्त संतुलित भोजन दें। जंक फूड, मीठे पेय पदार्थ और पैकेट वाले स्नैक्स का सेवन कम करें। जिन बच्चों का वजन अधिक है, जिन्हें डायबिटीज है या जिनके परिवार में मेटाबॉलिक बीमारियों का इतिहास है, उन्हें नियमित स्वास्थ्य जांच करानी चाहिए।

**बरतें जरूरी सावधानियां:** विशेषज्ञों के अनुसार, यदि बच्चा अधिक वजन का है, पेट के आस-पास चर्बी जमा है, परिवार में मोटापा या डायबिटीज का इतिहास है या वह नियमित रूप से जंक फूड और मीठे पेय पदार्थों का सेवन करता है, तो माता-पिता को विशेष सतर्क रहने की जरूरत है। लगातार थकान, पेट में परेशानी या बिना कारण वजन बढ़ना भी इस समस्या का संकेत हो सकते हैं। हालांकि शुरुआती अवस्था में यह बीमारी अक्सर बिना किसी लक्षण के रहती है, इसलिए जोखिम वाले बच्चों की समय-समय पर जांच कराना महत्वपूर्ण है।

डॉक्टरों का कहना है कि बचपन में बढ़ता मोटापा और शारीरिक गतिविधियों की कमी, बच्चों में फैटी लिवर के बढ़ते मामलों की सबसे बड़ी वजह है। अनुमान है कि अधिक वजन वाले लगभग 30 प्रतिशत बच्चों में फैटी लिवर होने का खतरा रहता है, लेकिन शुरुआती चरण में लक्षण न होने के कारण कई मामलों का पता नहीं चल पाता। जागरूकता, स्वस्थ खान-पान, आउटडोर गतिविधियों को बढ़ावा और समय पर चिकित्सकीय सलाह से भविष्य में लिवर से जुड़ी गंभीर बीमारियों के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। *

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स

---

बरसात का मौसम आमतौर पर बहुत सुहावना होता है, लेकिन इस दौरान मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ने लगती है। मच्छर अपने साथ कई तरह की गंभीर बीमारियां लेकर आते हैं, जो कई बार जानलेवा भी साबित होती हैं। इससे बचाव के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, इनसे संक्रमित होने पर क्या करना चाहिए, इस बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

# मच्छरों के काटने से हो सकती हैं कई तरह की खतरनाक बीमारियां

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. रवि गुप्ता
सीनियर कंसल्टेंट फिजिशियन
सी.के. बिड़ला हॉस्पिटल, गुरुग्राम

बरसात का मौसम मच्छरों के प्रजनन के अनुकूल माना जाता है। दरअसल बारिश का पानी लोगों के घरों के आस-पास के गड्ढों, गमलों, कूलर या घर के किसी हिस्से में रखे कबाड़ में जमा होने लगता है। इसी गंदे पानी में मच्छरों के अंडे और लार्वा तेजी से विकसित होने लगते हैं। वातावरण में बहुत ज्यादा ह्यूमिडिटी (उमस) और नमी होने के कारण जहां एक ओर मच्छर लंबे समय तक जीवित रहते हैं, वहीं उनकी प्रजनन क्षमता बढ़ने के कारण उनकी संख्या भी बहुत तेजी से बढ़ती है। बरसात के मौसम में मच्छरों से सबसे अधिक डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया बीमारियों के होने का खतरा रहता है। डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छर साफ पानी में पनपते हैं, जबकि मलेरिया के मच्छर जमा गंदे पानी में पनपते हैं।

## डेंगू होने के कारण और लक्षण

एडिज नामक मादा मच्छर के काटने से डेंगू होता है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि डेंगू का मच्छर दिन में ही काटता है और यह जमीन से केवल 2 फीट की ऊंचाई तक ही उड़ पाता है। अतः इससे बचाव के लिए ऐसे कपड़े पहनें, जिनमें आपके पैर पूरी तरह ढंके हों। आमतौर पर मच्छर काटने के चार से छह दिनों के बाद इस बीमारी के लक्षण नजर आने लगते हैं। आठ-दस दिनों तक लगातार बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में तेज दर्द जैसे लक्षण नजर आते हैं। इसके अलावा थकान, जी मिचलाना, वॉमिटिंग और त्वचा पर लाल रंग के चकते जैसे लक्षण भी नजर आते हैं। गंभीर मामलों में प्लेटलेट्स तेजी से नीचे गिरना, नाक या मसूड़ों से खून गिरना और सांस लेने तकलीफ जैसे लक्षण भी नजर आते हैं। मरीज की ऐसी अवस्था को डेंगू शॉक सिंड्रोम कहा जाता है। ऐसी स्थिति में मरीज को बिना देर किए नजदीकी अस्पताल ले जाना चाहिए।

**बचाव-उपचार:** घर की छत, बालकनी या आंगन में खाली बर्तन, गमला, बाल्टी या कोई ऐसी चीजें न रखें, जहां पानी जमा होने या मच्छर पनपने का खतरा हो। अपने घर के घर कोने की नियमित सफाई करें। इस मौसम में घर के भीतर इंडोर प्लांट न रखें। खिड़कियों और दरवाजे पर जाली वाले डबल डोर की व्यवस्था रखें। मच्छर भगाने वाले स्प्रे या लोशन का इस्तेमाल करें। बेहतर यही होगा कि रात को सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल करें। अपने घर के आस-पास सामुदायिक स्तर पर फॉगिंग की व्यवस्था करें। पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें। अगर घर में बच्चे हैं तो उनकी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

डेंगू के लक्षण दिखने पर सबसे पहले अपने नजदीकी अस्पताल में डेंगू एस-1 नामक जांच कराएं। इससे बीमारी का पता चल जाता है। अगर बुखार जैसे लक्षणों के साथ प्लेटलेट्स की संख्या 20,000 से कम होती है तो इसे खतरे का संकेत माना जाता है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर 48 घंटे के अंतराल पर दोबारा प्लेटलेट्स काउंट की सलाह देते हैं। कई बार मशीन की काउंटिंग और मैनुअल काउंटिंग तरीके से किए गए काउंटिंग के रिजल्ट में काफी अंतर आता है क्योंकि जब कई प्लेटलेट्स आपस में चिपके होते हैं तो मशीन अपनी गिनती में कई प्लेटलेट्स को भी एक ही काउंट करता है, ऐसी स्थिति में डॉक्टर मैनुअल काउंटिंग के रिजल्ट को अधिक विश्वसनीय मानते हैं। अगर बुखार हो तो अपने मन से कोई दवा न लें, इससे तबियत और ज्यादा बिगड़ सकती है। आराम करें, अधिक मात्रा में नारियल पानी, नींबू पानी और जूस जैसे तरल पदार्थों का सेवन करें। निरंतर डॉक्टर के संपर्क में रहें और सभी निर्देशों का पालन करें। ज्यादा गंभीर स्थिति में मरीज को अस्पताल में भर्ती कराके अलग से प्लेटलेट्स चढ़ाने की जरूरत पड़ती है।

**डेंगू से जुड़े भ्रम से बचें:** केवल प्लेटलेट्स का घटना डेंगू का लक्षण नहीं होता और न ही केवल प्लेटलेट्स चढ़ाना डेंगू का एकमात्र उपचार है। आमतौर पर आराम करने और तरल पदार्थों का सेवन करने के बाद शरीर में इनकी संख्या अपने आप बढ़ जाती है। प्लेटलेट्स काउंट को लेकर भी लोगों के मन में काफी डर बना हुआ है। अगर इसकी संख्या 20,000 से नीचे पहुंच जाए तभी व्यक्ति अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत महसूस होती है, अन्यथा पानी, जूस, छाछ जैसे तरल पदार्थों का सेवन करके इस स्थिति में सुधार लाया जा सकता है। आमतौर पर यह धारणा प्रचलित है कि पपीते के पत्ते का रस या बकरी के दूध के सेवन से प्लेटलेट्स की संख्या तेजी से बढ़ती है, लेकिन इस बात का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। इसलिए बेहतर यही होगा कि डेंगू के लक्षण नजर आने पर डॉक्टर से सलाह लें और उनके निर्देशों का पालन करें।

## मलेरिया के कारण-लक्षण

यह बीमारी मुख्य रूप से मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से फैलती है। डेंगू के विपरीत यह मच्छर दिन के बजाय रात में काटता है। इसके काटने के 7 से 30 दिनों के बाद इसके लक्षण नजर आ सकते हैं। ठंड लगना, कंपकंपी के साथ तेज बुखार, जो कई बार 47 से 72 घंटे की अवधि में बारी-बारी से चढ़ता-उतरता रहता है। इस दौरान बुखार उतरते समय ज्यादा पसीना आना, मांसपेशियों में दर्द और वॉमिटिंग जैसी समस्या हो सकती है। इसके अलावा सांस लेने में तकलीफ के साथ गंभीर मामलों में किडनी और लिवर फेल होने की समस्या भी हो सकती है।

**बचाव और उपचार:** इससे बचाव के लिए घर के आस-पास पानी जमा न होने दें। मच्छर नाशक स्प्रे का छिड़काव करें, गर्भवती महिलाओं और बच्चों का विशेष ध्यान रखें। इसके उपचार के लिए मलेरिया रोधी दवाओं की मदद ली जाती है। इस मौसम में बुखार होने पर बिना देर किए डॉक्टर से सलाह लें। इस बात का ध्यान रखें कि उपचार बीच में अधूरा न छोड़ें, इससे दोबारा बुखार होने की आशंका रहती है। अगर सही समय पर उपचार मिल जाए तो मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो जाता है।

## चिकनगुनिया के कारण-लक्षण

यह बीमारी एडिज एजिप्टी और एडिज एल्बोपिक्टस नामक मच्छर के काटने से फैलती है। ये मच्छर मुख्यतः सुबह या दोपहर के बाद काटते हैं। ये भी रुके हुए पानी में अंडे देते हैं। इनके काटने के बाद अचानक तेज बुखार, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द, त्वचा पर रैशेज और जी मिचलाने जैसी समस्या होती है। बुखार उतर जाने के बाद भी जोड़ों का दर्द कई महीनों तक बना रहता है। बहुत अधिक कमजोरी भी रोगी को महसूस होती है।

**बचाव और उपचार:** मच्छरों के पनपने को रोकने के लिए सभी उपाय इस रोग से भी बचाने में कारगर है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए डॉक्टर आमतौर पर बुखार उतारने और जोड़ों का दर्द दूर करने की दवाएं देते हैं। ऐसी समस्या होने पर अपने मन से पेनकिलर लेने की गलती न करें, यह किडनी के लिए नुकसानदेह हो सकता है। बेहतर यही होगा कि आप डॉक्टर के सभी निर्देशों का पालन करें। *

प्रस्तुति: विनीता

### मच्छरों से होने वाली अन्य बीमारियां

क्यूलेक्स नामक मच्छर के काटने से जापानी इंसेफ्लाइटिस नामक बुखार होने का खतरा रहता है। इस प्रजाति के मच्छर ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में धान के खेतों के आस-पास पाए जाते हैं। इसके काटने के बाद होने वाला बुखार कई बार जानलेवा भी साबित होता है। मच्छर जनित यह बीमारी व्यक्ति के मस्तिष्क में सूजन पैदा करती है। बुखार के साथ वॉमिटिंग, सिरदर्द और गर्दन में अकड़न जैसी समस्या भी हो सकती है। ज्यादा गंभीर स्थिति होने पर मरीज बेहोश हो जाता है। इसके लिए कोई विशेष दवा नहीं है। केवल बुखार में दी जाने वाली दवाओं की मदद से डॉक्टर इसके लक्षणों को नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा लिम्फेटिक फाइलेरिया या हाथी पांव नामक बीमारी भी मच्छर के काटने से होती है। इस बीमारी में मरीज का पैर हाथी की तरह सूज जाता है, इसलिए इसे हाथी पांव फाइलेरिया भी कहा जाता है। यह बीमारी वुचेरिया बैंक्रॉफ्टी नामक धागे जैसी कृमि के कारण होती है। इस कृमि से संक्रमित व्यक्ति को जब मच्छर काटता है, तो मच्छर के अंदर माइक्रोफाइलेरिया का यह लार्वा चला जाता है और मच्छर के भीतर विकसित होकर संक्रामक रूप धारण कर लेता है। फिर यही संक्रमित मच्छर जब किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो संक्रामक लार्वा त्वचा के जरिए व्यक्ति के लिम्फेटिक सिस्टम में पहुंच जाता है. यह लार्वा कृमि बनकर वर्षों तक व्यक्ति के शरीर में जीवित रहता है और उसके लिम्फेटिक सिस्टम पर हमला कर देता है, जिससे उसके पैरों में सूजन आ जाती है। इसके लक्षण कई साल बाद भी नजर आ सकते हैं। फाइलेरिया से बचाव के लिए अभी कोई टीका उपलब्ध नहीं है, लेकिन इसके उपचार के लिए दवाएं उपलब्ध हैं।

---

बारिश के मौसम में आंखों में होने वाला कॉमन वायरल या बैक्टीरियल इंफेक्शन है कंजक्टिवाइटिस, जिसे आई फ्लू भी कहते हैं। ये कैसे होता है, इसके संक्रमण से कैसे बच सकते हैं और इसका उपचार क्या होता है? इस बारे में एक्सपर्ट डॉक्टर डिटेल में बता रहे हैं।

# आई फ्लू से बचाव के लिए आंखों की करें प्रॉपर केयर

प्रिकॉशन
डॉ. श्रेया गुप्ता
कंसल्टेंट-ऑफ्थैल्मोलॉजिस्ट
श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली

बारिश और उमस के मौसम में आई फ्लू यानी आंखों का संक्रमण तेजी से फैल सकता है। इसे कंजक्टिवाइटिस भी कहा जाता है। इसमें आंखें लाल होने के साथ जलन, खुजली और पानी आने जैसी समस्या हो सकती है। कई बार आंखों में सूजन भी आ जाती है और ऐसा लगता है जैसे आंख में कुछ चला गया हो। यह संक्रमण बच्चों से लेकर बड़ों तक किसी को भी हो सकता है और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैल सकता है। खासतौर पर जब लोग संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आते हैं या उसकी इस्तेमाल की हुई चीजों को छूने के बाद अपनी आंखों को छूते हैं, तब संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए आंखों में अचानक लालिमा, ज्यादा पानी आने या चिपचिपा पदार्थ निकलने जैसे लक्षण दिखाई दें, तो इसे सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

**क्या है आई फ्लू:** आई फ्लू आंख की बाहरी परत कंजंक्टाइवा में होने वाला संक्रमण है। यह संक्रमण वायरस या बैक्टीरिया के कारण हो सकता है। वायरल आई फ्लू ज्यादा कॉमन है और कई बार सर्दी-जुकाम के साथ भी हो सकता है। संक्रमित व्यक्ति की आंखों के संपर्क में आने, उसके तौलिए, रुमाल या तकिए जैसी चीजों का इस्तेमाल करने से भी संक्रमण फैल सकता है। इसके अलावा आंखों को छूने के बाद बिना हाथ धोए दूसरी चीजों को छूना और फिर उन्हीं हाथों से आंखों को छूना भी संक्रमण फैलने का एक कारण हो सकता है। यही वजह है कि आई फ्लू होने पर व्यक्तिगत साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। संक्रमित व्यक्ति को भी कोशिश करनी चाहिए कि वह बार-बार अपनी आंखों को न छुए और आंखों को छूने के बाद हाथ अच्छी तरह साबुन से धो लें।

**आई फ्लू के प्रमुख लक्षण:** आई फ्लू होने पर आंखों में लालिमा, पानी आना, जलन और खुजली हो सकती है। कई लोगों को आंख में कुछ पड़ा होने जैसा महसूस होता है और बार-बार आंखों को रगड़ने का मन करता है। आंखों से चिपचिपा या सफेद-पीला पदार्थ निकलने के कारण सुबह पलकें आपस में चिपक सकती हैं। कुछ मामलों में रोशनी देखने में परेशानी और आंखों के आस-पास हल्की सूजन भी हो सकती है। संक्रमण एक आंख से शुरू होकर दूसरी आंख तक भी पहुंच सकता है। कुछ लोगों में इसके साथ हल्की परेशानी या असहजता बनी रहती है, जबकि कुछ मामलों में लक्षण ज्यादा परेशान करने वाले हो सकते हैं। अगर आंखों की लालिमा लगातार बढ़ रही हो या नजर पर असर पड़ रहा हो तो डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

**कैसे करें बचाव:** आई फ्लू से बचने के लिए सबसे जरूरी है हाथों की सफाई का ध्यान रखना। आंखों को बार-बार हाथ न लगाएं और आंखों को रगड़ने से बचें, क्योंकि इससे संक्रमण और जलन दोनों बढ़ सकते हैं। संक्रमित व्यक्ति का तौलिया, रुमाल, तकिया, आई मेकअप या कॉन्टैक्ट लेंस साझा न करें। अगर परिवार में किसी को आई फ्लू है तो उसके इस्तेमाल की चीजों को अलग रखें और कोशिश करें कि संक्रमित व्यक्ति की आंखों से निकलने वाले पानी या डिस्चार्ज के सीधे संपर्क में न आएं। बार-बार हाथ धोना संक्रमण को फैलने से रोकने में मदद करता है। स्कूल जाने वाले बच्चों में भी इन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि बच्चों के बीच संक्रमण तेजी से फैल सकता है। आंखों को छूने से पहले और बाद में हाथ साफ रखना सबसे आसान और प्रभावी बचाव के तरीकों में से एक है।

**आई फ्लू होने पर क्या करें:** आई फ्लू के ज्यादातर वायरल मामलों में संक्रमण कुछ दिनों में अपने आप ठीक हो सकता है। इस दौरान आंखों को आराम दें और डॉक्टर की सलाह के अनुसार आई ड्रॉप का इस्तेमाल करें। आंखों में बिना सलाह के एंटीबायोटिक या स्टेरॉयड वाली ड्रॉप न डालें, क्योंकि हर तरह के आई फ्लू में एक जैसी दवा की जरूरत नहीं होती। आंखों पर साफ कपड़े से ठंडी पट्टी रखने से जलन और असहजता में राहत मिल सकती है। अगर कॉन्टेक्ट लेंस का इस्तेमाल करते हैं तो संक्रमण के दौरान इसे पहनने से बचें। आंखों को साफ रखने के लिए डॉक्टर की सलाह का पालन करें और किसी दूसरे व्यक्ति की इस्तेमाल की हुई आई ड्रॉप अपनी आंखों में न डालें। अगर लक्षण लगातार बने रहें या बढ़ते जाएं तो खुद से इलाज करने के बजाय आंखों के डॉक्टर से जांच कराना बेहतर है।

**बिल्कुल ना बरतें लापरवाही:** आई फ्लू या कंजंक्टिवाइटिस होने पर अगर आंखों में तेज दर्द हो, दिखाई देने में परेशानी हो, रोशनी बिल्कुल सहन न हो, आंखों में ज्यादा सूजन हो या समस्या लगातार बढ़ रही हो तो तुरंत आंखों के डॉक्टर से जांच करानी चाहिए। खासकर बच्चों में लक्षण दिखाई देने पर लापरवाही नहीं करनी चाहिए। अगर आंखों से ज्यादा डिस्चार्ज निकल रहा है, नजर धुंधली हो रही है या कुछ दिनों में लक्षणों में सुधार नहीं हो रहा है, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। कुछ अन्य आंखों की समस्याओं में भी लालिमा और दर्द जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं, इसलिए हर लाल आंख को सिर्फ आई फ्लू मानकर घर पर इलाज करना सही नहीं है। समय पर जांच कराने से सही कारण पता चल सकता है और जरूरत के अनुसार इलाज शुरू किया जा सकता है। याद रखें, आई फ्लू आम संक्रमण है, लेकिन इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। साफ-सफाई का ध्यान रखकर और संक्रमित व्यक्ति से दूरी बनाकर इसके फैलाव को काफी हद तक रोका जा सकता है। हाथों को नियमित रूप से धोना, आंखों को न रगड़ना, व्यक्तिगत सामान साझा न करना और डॉक्टर की सलाह के बिना कोई दवा या आई ड्रॉप इस्तेमाल न करना संक्रमण से बचाव में मददगार हो सकता है। अगर घर में किसी सदस्य को आई फ्लू हो गया है तो बाकी लोगों को भी स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। आंखों में लगातार परेशानी, दर्द या नजर में बदलाव होने पर समय गंवाए बिना डॉक्टर से संपर्क करना ही सबसे सुरक्षित तरीका है। *

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स

# लगातार बारिश से फसलें चौपट, किसानों को नुकसान की भरपाई कराने डीएम से मिले गरौठा विधायक

## सर्वे कराकर मुआवजा और प्रधानमंत्री फसल बीमा क्षतिपूर्ति दिलाने को लेकर चर्चा की

( यंग भारत न्यूज )

**झांसी।** जनपद झांसी की सभी तहसीलों में लगातार हो रही भारी बारिश से खेतों में जलभराव और फसलों के जलमग्न होने को लेकर गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत ने जिलाधिकारी झांसी से मुलाकात की है. मुलाकात के दौरान विधायक ने प्रभावित किसानों की फसलों का शीघ्र सर्वे कराकर नियमानुसार मुआवजा एवं बीमा क्षतिपूर्ति दिलाए जाने की प्रशासनिक प्रक्रिया शुरू कराने को लेकर चर्चा की.

विधायक जवाहर लाल राजपूत ने जिलाधिकारी को बताया कि विगत तीन-चार दिनों से जनपद की सभी तहसीलों में लगातार भारी बारिश हो रही है. इसके चलते खेतों में जलभराव हो गया है और कई खेत जलमग्न हो गए हैं. खेतों में खड़ी उड़द, तिल, मूंग, ज्वार, मूंगफली, मक्का, अरहर, सोयाबीन, बाजरा और धान सहित विभिन्न फसलों जलमग्न होकर डूब गई है.जवाहर लाल राजपूत ने जिलाधिकारी को बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रावधानों के अनुसार प्रतिकूल मौसम से प्रभावित ग्राम पंचायतों एवं फसलों में हुई क्षति का तत्काल आकलन कराया जाए. इसके लिए राजस्व, कृषि विभाग तथा बीमा कंपनी के अधिकारियों की संयुक्त समिति गठित कर प्राथमिकता के आधार पर फसल क्षति का सर्वे कराया जाए. विधायक राजपूत ने कहा कि प्रभावित किसानों को नियमानुसार फसल बीमा क्षतिपूर्ति का भुगतान जल्द से जल्द कराया जाना चाहिए, ताकि बारिश से फसल बर्बाद होने के कारण आर्थिक संकट झेल रहे किसानों को राहत मिल सके. उन्होंने प्रशासन से को अत्यधिक नुकसान हुआ है. कई किसानों की धान की फसल भी किसानों के हित में त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा जताई है.

# मिट्टी के आधुनिक डिजाइन के बर्तन बनाएं: एमएलसी रमा निरंजन

( यंग भारत न्यूज )

**झाँसी** । उ0प्र0 माटीकला बोर्ड के तत्वाधान में स्थान बेतवा क्लब में मण्डल स्तरीय माटीकला पुरस्कार हेतु अभ्यर्थियों के चयन एवं वितरण का कार्यक्रम एम0एस0सी0 श्रीमती रमा आर0पी0 निरंजन की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलित कर आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर रामकिशोर परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी द्वारा स्वागत किया गया। विजेताओं का चयन बुन्देलखण्ड के फाइन आर्ट के विशेषज्ञों द्वारा किया गया, जिसमें प्रथम पुरस्कार धनराशि रु0-15.000-00 श्रीमती मनीषा देवी जनपद-ललितपुर एवं द्वितीय पुरस्कार धनराशि रु0-12,000-00 शिवम प्रजापति जनपद-उरई एवं तृतीय पुरस्कार धनराशि रु0-10,000-00 अंगवस्त्र एवं सम्मान पत्र तथा स्मृति चिन्ह सहित मुख्य अतिथि द्वारा वितरित किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा अपने सम्बोधन में उपस्थित सभी शिल्पकारों /मिट्टी के कारीगरों को आधुनिक डिजाइन के बर्तनों के निर्माण करने पर प्रबल जोर दिया गया, जिससे बाजार में आपके उत्पादों को सही मूल्य मिल सकें, और आपकी आय में वृद्धि हो सके। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय से आये हुये फाइन आर्ट के विशेषज्ञों द्वारा मिट्टी से सम्बन्धित सभी विन्दुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी रामकिशोर ने उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित सभी योजनओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस

मौके पर बुन्देलखण्ड यूनिवर्सिटी फाइन आर्ट विभाग से आये हुये डा0 श्रीमती अंकिता शर्मा, श्रीमती रानी शर्मा एवं आए डा0 श्री संतोष कुमार तथा रामकिशोर परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी, महेश प्रजापति सुरेश प्रजापति, हरिओम प्रजापति सहित समस्त कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहे। अन्त में रामकिशोर परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि एवं मण्डल के समस्त शिल्पकारों/ कारीगरी का आभार व्यक्त किया गया।

# 'बाबा मेरे बेडरूम में चमगादड़ बनकर लटके थे', कंगना रनौत रामदेव पर फिर भडकीं, सनातनी होने पर भी उठा दिया सवाल

( यंग भारत न्यूज )

कंगना रनौत और बाबा रामदेव के बीच शुरू हुआ विवाद अब निजी टिप्पणियों तक पहुंच गया है। मामला कंगना के उस बयान से शुरू हुआ था, जिसमें उन्होंने जेन-जी ं के कुछ प्रदर्शनकारियों को लेकर 'गटर जेनरेशन' जैसी टिप्पणी की थी। इस पर बाबा रामदेव ने कंगना की निजी जिंदगी और उनके पुराने समय को लेकर सवाल खड़े किए। अब कंगना ने पलटवार करते हुए रामदेव से पूछा है कि आखिर उन्होंने उनकी जवानी के बारे में क्या देखा है। उन्हें क्या पता है कि बचपन के बारे में।

अब कंगना रनौत ने डीडी न्यूज को दिए इंटरव्यू में गुरु बाबा रामदेव पर फिर निशाना साधा है। कंगना से जब पूछा गया कि बाबा रामदेव तो सनातनी हैं फिर वो कैसे आपके विरोध में आ गए। इसपर कंगना ने कहा कि उनका काम 'मेरे पर्सनल जिंदगी पर कमेंट करना है।' कंगना ने डीडी न्यूज को दिए इंटरव्यू में रामदेव के इसी कमेंट पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि किसी को उनकी जवानी और निजी जिंदगी के बारे में इस तरह टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। कंगना ने कहा,'रामदेव मेरे बेडरूम में चमगादड़ बनकर लटके हुए थे क्या? उन्होंने मेरी जवानी में क्या देखा था? अगर उन्होंने कुछ देखा है तो बताना चाहिए। इस तरह की निजी बातें करना उन्हें शोभा नहीं देता। कंगना ने यह भी कहा कि उनका बचपन और जवानी बाकी लड़कियों की तरह रही है। उन्होंने अपनी जिंदगी में कुछ रिश्ते होने की बात स्वीकार की और कहा कि यह कोई छिपी हुई बात नहीं है। लेकिन उनके मुताबिक, इसका मतलब यह नहीं कि कोई उनकी निजी जिंदगी को लेकर टिप्पणी करे।कंगना का हमला सिर्फ निजी टिप्पणी तक नहीं रुका। उन्होंने बाबा रामदेव के कारोबार और उनकी 'स्वदेशी' छवि पर भी सवाल उठाए। कंगना ने कहा कि रामदेव के स्वदेशी अभियान के शुरुआती दौर में सरकार की तरफ से भी समर्थन मिला था। लेकिन अब उन्हें लगता है कि रामदेव का फोकस काफी हद तक बिजनेस की तरफ चला गया है। उन्होंने आयुर्वेद, योग और भारतीय परंपरा से जुड़े उनके पुराने काम का जिक्र करते हुए कहा कि अब उनका कारोबार कपड़ों और दूसरे रोजमर्रा के उत्पादों तक पहुंच गया है। कंगना ने इसे पूंजीवाद और सनातनी विचारधारा के बीच टकराव के तौर पर पेश किया। कंगना ने यह भी साफ किया कि उन्हें किसी के बिजनेसमैन बनने से दिक्कत नहीं है। उनका सवाल कुछ और है। उन्होंने कहा कि अगर कोई पूरी तरह कारोबार करता है तो इसमें कोई बुराई नहीं है। लेकिन फिर उसे अपनी धार्मिक पहचान और सार्वजनिक छवि के साथ भी ईमानदार रहना चाहिए। कंगना ने सवाल उठाया कि कपड़े और अंडरगारमेंट बेचने वाले कारोबार में 'सनातनी' पहचान का दावा कैसे जोड़ा जाता है। उन्होंने रामदेव पर ढोंग और पाखंड का आरोप भी लगाया। उनके मुताबिक, अगर सनातन के नाम पर काम करने वाला कोई व्यक्ति हिंदुओं को ही शर्मिंदा करे तो इसका विरोध होना स्वाभाविक है।विवाद की शुरुआत कंगना के जेन-जी ं को लेकर दिए बयान से हुई। स्टूडेंट प्रोटेस्ट के दौरान कंगना ने कुछ प्रदर्शनकारियों की भाषा पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने उन्हें 'गटर जेनरेशन' कहा था। बाद में कंगना ने सफाई देते हुए कहा कि उनका निशाना पूरी जेन-जी ं नहीं, बल्कि उन लोगों पर था जिन्होंने कथित तौर पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। बाद में कंगना ने जेन-जी ं को लेकर अपना रुख कुछ नरम भी किया। उन्होंने इस पीढ़ी को देश की ताकत और संपत्ति बताया। इसके बावजूद 'गटर जेनरेशन' वाला विवाद खत्म नहीं हुआ।

इससे पहले भी कंगना रामदेव को जवाब दे चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि रामदेव को उनकी जवानी या बेडरूम को लेकर सपने नहीं देखने चाहिए। साथ ही उन्होंने रामदेव को अपनी निजी जिंदगी पर चरित्र का पाठ नहीं पढ़ाने की नसीहत दी थी। कंगना का कहना है कि उनके खिलाफ राजनीतिक या वैचारिक आलोचना की जाए तो वह उसका जवाब देंगी। लेकिन निजी जिंदगी को बहस में लाना उन्हें स्वीकार नहीं है। कंगना के बयान पर बाबा रामदेव से सवाल पूछा गया तो उन्होंने युवा पीढ़ी के लिए ऐसे शब्दों के इस्तेमाल पर नाराजगी जताई। रामदेव ने कहा कि किसी भी पूरी पीढ़ी को इस तरह संबोधित करना गलत है। उन्होंने कंगना की अपनी जिंदगी और पुराने समय को लेकर भी टिप्पणी कर दी। रामदेव ने कहा था, 'मैं कंगना के बारे में बात नहीं करना चाहता। लेकिन किसी पूरी युवा पीढ़ी को गटर कहना गलत है। यह सोच बिगड़ने की निशानी है। उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को भी इस बयान पर ध्यान देना चाहिए।' यहीं से विवाद का फोकस बदल गया। अब बहस सिर्फ जेन-जी ं वाले बयान तक सीमित नहीं रही।

कंगना की निजी जिंदगी को लेकर रामदेव की टिप्पणी भी चर्चा में आ गई।

# श्रावण मास पर रूद्राभिषेक किया

( यंग भारत न्यूज )

**झांसी।** पवित्र श्रावण मास में आज मिशन कम्पाउंड स्थित शिव शक्ति मन्दिर में श्रद्धा भाव से सभी के सुख , शान्ति व समृद्धि के लिए महादेव का भव्य श्रृंगार तथा अभिषेक किया गया एवं भजन कीर्तन हुए द्य पुजारी श्री कृष्ण दत्त देवलिया ने रुद्राभिषेक कराया जिसमें राकेश त्रिपाठी , सुनीता त्रिपाठी , संजीव अनुपमा मेहरोत्रा , ममता गोविन्द निरंजन, ज्योति उमेश दीक्षित, साधना कौशिक, रीता चड्ढा, रेखा त्रिपाठी, वंदना अग्रवाल, नेहा आशुतोष त्रिपाठी आदि भक्तों ने श्रद्धा पूर्वक भोलेनाथ का अभिषेक किया द्य महाआरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया द्य

# मूसलाधार बारिश से सुकवा-ढुकवा बांध ओवरफ्लो

## 30 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा, अब तक 64 मिलीमीटर बरसात

**झांसी।** जनपद में पिछले 24 घंटे से हो रही बारिश के चलते अब तक 64 मिलीमीटर पानी बरस चुका है। इससे बेतवा नदी का जलस्तर भी बढ़ गया और सुकवा-ढुकवा बांध ओवरफ्लो हो गया। इसके बाद बांध से 30 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

आसपास के गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को नदी और पानी वाले इलाकों से दूर रहने की चेतावनी दी गई। वहीं, जिले में पांच मकान भी बारिश से गिर गए। इससे पहले बुधवार को आईएमडी ने झांसी में बहुत तेज बारिश का रेड अलर्ट जारी किया था। हालांकि, बुधवार दिन में अलर्ट के अनुरूप मूसलाधार बारिश देखने को नहीं मिली। इसके बावजूद मंगलवार रात से शुरू हुई बारिश बुधवार सुबह और दिन में जारी रही। लगातार बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई और लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। मंगलवार रात से हुई बारिश का असर बुधवार को तापमान पर साफ दिखाई दिया। झांसी का अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मंगलवार के 29 डिग्री के मुकाबले 6 डिग्री कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस पर बना रहा। बारिश के चलते मौसम सुहावना बना रहा। आईएमडी ने गुरुवार यानी 27 अगस्त को भी झांसी में मूसलाधार बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। बुधवार को हुई बारिश के बाद पहले तापमान बढ़ने का जताया गया अनुमान भी बदल गया है। लगातार बारिश के बीच शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के नारिया बाजार में एक पुराना और जर्जर मकान भरभराकर गिर गया। हालांकि मकान मालिक ने खतरा भांपते हुए पहले ही घर खाली कर दिया था। कीमती सामान भी बाहर निकाल लिया गया था। इसलिए हादसे के समय मकान में कोई मौजूद नहीं था और जनहानि टल गई। वहीं, बरुआसागर क्षेत्र में भी बारिश के चलते एक मकान गिर गया। यहां भी कोई जनहानि नहीं हुई। दूसरी तरफ गरौठा तहसील में जर्जर हो चुके तीन मकान बारिश के चलते ढह गए। मलबे में दबकर दो महिलाएं घायल हो गईं, जिन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

# अपहरण की गई लड़की को उप निरीक्षक ने महिला सिपाही साथ किया बरामद

( यंग भारत न्यूज )

**कालपी जालौन 27 अगस्त।** चार महीना पूर्व नगर दमदमा की लड़की को ग्राम खैरई निवासी युवक अवनीत के द्वारा 24 अप्रैल को अपहरण की घटना को अंजाम दिया गया था उक्त घटना में पीड़िता मां मोहिनी रानी की तहरीर पर 1 मई को मुकदमा कायम विवेचना चौकी प्रभारी उप निरीक्षक जितेंद्र सिंह चंदेल को जांच सौंप गई थी उक्त मुकदमे में चौकी प्रभारी महिला सिपाही नेहा आदि पुलिस बल के साथ लड़की को बरामद करने में जुटे हुए थे उनकी भनक लगते ही गुरुवार को सुबह स्वयं में 18 वर्षीय महिला लड़की कोतवाली में आकर आत्म समर्पण किया घटना में दर्ज मुकदमे के तहत चौकी प्रभारी ने महिला सिपाही के साथ लड़की को साथ में लेकर डॉक्टरी तथा अदालत के समक्ष बयान करने की कार्यवाही शुरू कर दी है चौकी प्रभारी ने अवगत कराया कि आरोपी अभियुक्त हाई कोर्ट स्टे पर चल रहा है इसलिए उसको गिरफ्तार नहीं किया गया है जब अदालत में चार सीट प्रस्तुत की जाएगी तभी अदालत से सम्मन आने पर हाजिर होगा चौकी प्रभारी के द्वारा लड़की की बारामदी पर मां तथा परिवार ने राहत की सांस ली।

# झांसी में सड़क हादसे में इकलौते बेटी की मौत

## 5 दिन पहले सब्जी खरीदकर पैदल घर जा रहा था, बेकाबू बाइक ने रौंदा

**झांसी।** जनपद में सड़क हादसे में इकलौते बेटे की मौत हो गई। 5 दिन पहले वह सब्जी खरीदकर पैदल घर जा रहा था। रास्ते में बेकाबू बाइक ने उसे रौंद दिया था। तब से उसका मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा था। गुरुवार को उसने दम तोड़ दिया। हादसा रक्सा थाना क्षेत्र के डेली गांव के पास हुआ है।

मृतक का नाम राहुल कुमार (33) पुत्र हेमंत कुमार अहिरवार था। वह मोठ थाना क्षेत्र के भुजोंद गांव का रहने वाला था। पिता हेमंत ने बताया राहुल मेरा इकलौता बेटा था, जबकि तीन बेटियां हैं। राहुल की शादी हो चुकी थी। उसकी दो बेटी मान्या (6), मानवी (4) और एक बेटा डुग्गू (2,) है। राहुल राजमिस्त्री का काम करता था। लगभग 10 दिन पहले वह काम करने के लिए डेली गांव आया था और वहीं रहता था। 22 अगस्त को बेटा सब्जी खरीदकर पैदल घर जा रहा था। तभी डेली पुल के पास बेकाबू बाइक में बेटे को टक्कर मार दी थी। राहुल के सिर में गंभीर चोट आई थी। उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया था। जहां इलाज के दौरान राहुल की मौत हो गई।

# बरुआसागर में अकीदत के साथ निकला बारावफात का जुलूस, अमन-चैन की मांगी दुआ

( यंग भारत न्यूज )

**बरुआसागर ( झांसी )।** बारावफात (मिलाद-उन-नबी) का त्योहार बुधवार को बरुआसागर में पूरी अकीदत, शांति और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। मुस्लिम समाज की ओर से पीर मस्तीगीर दरगाह मिलान मोहल्ला से जुलूस निकाला गया, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए तकिया सब्जी मंडी पहुंचा। जुलूस में बच्चे, युवा और बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल हुए। जुलूस में अकीदतमंद हाथों में झंडे लेकर नात-ए-नबी पढ़ते हुए और 'सरकार की आमद मरहबा' के नारे लगाते हुए आगे बढ़े। घोड़ों की सवारियां और डीजे की धुन जुलूस का आकर्षण रहीं। जुलूस का संचालन खिदमतगार कमेटी की ओर से किया गया। जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया और देश में अमन-चैन, भाईचारे व खुशहाली की दुआ मांगी।

### पुलिस रही मुस्तैद

जुलूस को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। प्रमुख मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा। उपनिरीक्षक राहुल सिंह, उपनिरीक्षक अभय मिश्रा सहित महिला पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे। पुलिस अधिकारियों ने जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

### अध्यक्ष ने दुआ के साथ कराया समापन

जुलूस के तकिया सब्जी मंडी पहुंचने के बाद बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। यहां खिदमतगार कमेटी के अध्यक्ष शराफत खान ने दुआ कराकर कार्यक्रम का समापन कराया। इसके बाद लोगों के बीच मिठाई वितरित की गई और देश में शांति, भाईचारे एवं खुशहाली की दुआ मांगी गई। जुलूस में शराफत खान, जावेद अली, इम्तियाज अली, जमाल उल्ला, इस्लाम मंसूरी, जावेद राईन, अजहर राईन, रफीक मंसूरी (रूबी टेलर) सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग मौजूद रहे।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718